

वर्ष: 15

अंक: 298

लखनऊ,

बुधवार 24 जून 2026

मूल्य: 02 रुपये

पृष्ठ- 08

राम मंदिर चढ़ावा चोरी की एसआईटी ने यूपी सरकार को सौंपी रिपोर्ट

संवाददाता।

लखनऊ/अयोध्या भगवान के घर में वो भी सनातन के इतने बड़े प्रतीक राम जन्मभूमि में बने हुए राम मंदिर जिसकी प्रतीक्षा सदियों सदियों की गई। वहां पर इस तरह की गड़बड़ करने वाले छोड़े नहीं जाएंगे। राम मंदिर चढ़ावा चोरी की एसआईटी ने यूपी सरकार को रिपोर्ट सौंप दी है। एसआईटी ने अपनी जांच प्रीलिमिनरी इंकवायरी पूरी की और उन्होंने एसीएस होम को राज्य के यह रिपोर्ट दी है। अब ये जो राज्य के एसीएस होम हैं यह असल में एक्स ऑफिशियो मेंबर भी हैं राम मंदिर ट्रस्ट के। भगवान के घर में वो भी सनातन के इतने बड़े प्रतीक राम जन्मभूमि में बने हुए राम मंदिर जिसकी



प्रतीक्षा सदियों सदियों की गई। वहां पर इस तरह की गड़बड़ करने वाले छोड़े नहीं जाएंगे। राम मंदिर चढ़ावा चोरी की एसआईटी ने यूपी सरकार को रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट में दान निगरानी व्यवस्था पर गंभीर

सवाल उठाए गए हैं। यह जो दान दिया जाता था उसकी जिस तरीके से निगरानी होती थी उसकी जो गणना होती थी उसको लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। सरकार को ये रिपोर्ट दी गई। रिपोर्ट में कुछ

कर्मचारियों पर एफआईआर की सिफारिश की गई है। कुछ कर्मचारियों पर फर्स्ट इंफॉर्मेशन रिपोर्ट उनके खिलाफ दर्ज होनी चाहिए।रिपोर्ट में आगे भी जांच जारी रखने की सिफारिश की गई है। यह भी कहा गया है कि इसके जारी रखने के लिए और संसाधन और लोगों की आवश्यकता पड़ेगी और सदस्य जांच में सहयोग करें। ऐसा चाहिए होगा। यह तमाम संस्तुतियां ये भी ये रिपोर्ट में की गई है। यह कहा गया है कि यह जांच आगे भी जारी रहना चाहिए। इसका मतलब यह है कि बहुत सारे पहलू ऐसे हैं जिनमें और विस्तृत जांच की आवश्यकता है या बहुत सारे पहलू ऐसे हैं जिनमें जांच शुरू

करने और आगे बढ़ाने के लिए असल में और लोगों की जरूरत है। यह भी कहा गया है और अभी तक की जांच में जो जो पाया गया प्राइमरी जो लोग इसके लिए रीस्पॉसिबल लग रहे हैं उनका नाम भी इसमें लिया गया है और यह कहा गया है कि इनके खिलाफ एफआईआर इनिशिएट किया जाना चाहिए। यह रिपोर्ट आज एसीएस गृह को दे दी गई है। अपर प्रमुख सचिव हैं एसीएस होम संजय प्रसाद उन्हें यह रिपोर्ट सौंपी गई। वैसे तो यह रिपोर्ट गोपनीय है लेकिन सूत्रों के माध्यम से यह बताया जा रहा है कि 140 पन्नों की यह रिपोर्ट है और इसमें कुछ एक बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं। कुछ एक चीजें उससे निकल कर जो सामने आई है। सवाल है कि दान राशि की गणना कैसे होती थी? उनकी निगरानी के लिए व्यवस्था क्या थी? आंतरिक व्यवस्था के लिए जिम्मेदार जो लोग थे वो कौन-कौन थे? एफ एसआईटी रिपोर्ट में यह 140 पन्नों की इस रिपोर्ट में यह सब कुछ समाहित है। गणनाकर्मियों का चुनाव कैसे किया जाता था? ट्रस्ट सदस्य गणनाक कर्मियों के बीच में कनेक्शन था या नहीं था और अगर कनेक्शन था तो किस तरीके का था? यह भी इसमें समाहित है। विस्तृत जांच के लिए अतिरिक्त समय चाहिए। अभी यह जांच बहुत शुरुआती है और अगर जांच को आगे बढ़ाना बढ़ाना है तो इसमें अतिरिक्त समय चाहिए होगा। यह इतनी जल्दी नहीं हो सकता।

लखनऊ अग्निकांड से सरकार ने लिया सबक, पूरे यूपी में होगा कोविंग सेंट्रों का सर्वे, सभी जिलों को निर्देश जारी

संवाददाता।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में हुए भीषण अग्निकांड में 15 युवाओं की मौत के बाद प्रदेश सरकार ने कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा और वैधता को लेकर सख्ती बढ़ा दी है।पूरे प्रदेश में विशेष अभियान चलाकर बिना पंजीकरण संचालित हो रहे कोचिंग संस्थानों की पहचान की जाएगी और उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पंजीकृत कोचिंग सेंटरों की सुरक्षा व्यवस्था का भी गहन निरीक्षण कराया जाएगा।उच्च शिक्षा विभाग की विशेष सचिव निधि श्रीवास्तव ने सभी जिलाधिाकारियों को अपने-अपने जिलों में कोचिंग संस्थानों का व्यापक सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं।सर्वे में यह पता लगाया जाएगा कि कौन से संस्थान उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन अधिनियम, 2002 के तहत पंजीकृत हैं और कौन बिना अनुमति के संचालित हो रहे हैं। अर्क 1 पाए जाने वाले संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।विभाग ने स्पष्ट किया है कि केवल पंजीकरण होने भर से कोचिंग संस्थानों को राहत नहीं मिलेगी। पंजीकृत संस्थानों में भवन



की मजबूती, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, विद्युत सुरक्षा, आपातकालीन निकास, वेंटिलेशन और साफ-सफाई जैसी जरूरी सुविधाओं की भी जांच होगी। सुरक्षा मानकों में किसी तरह की कमी मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।वहीं, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को सुरक्षित और भरोसेमंद वातावरण देना सरकार की प्राथमिकता है। विद्यार्थियों की सुरक्षा और शिक्षा की गुणवत्ता के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।सिर्फ 3152 कोचिंग संस्थान पंजीकृतप्रदेश में वर्तमान में सिर्फ 3152 कोचिंग संस्थान ही पंजीकृत हैं, जबकि अनुमान है कि इससे कई गुणा अधिक कोचिंग सेंटर बिना पंजीकरण के संचालित हो रहे हैं। ऐसे संस्थानों का विभाग के पास रिकार्ड भी नहीं है।कई स्थानों पर

छोटे कमरों में क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को बैठाकर कोचिंग चलाई जा रही है, जिससे सुख्खा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन अधिनियम, 2002 के अनुसार किसी भी कोचिंग संस्थान को संचालन से पहले संबंि त प्रशासनिक अधिकारी से पंजीकरण कराना जरूरी है।बिना वैध प्रमाणपत्र के कोचिंग चलाना अवैध माना जाता है। नियमों के तहत सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों व कॉलेजों में कार्यरत नियमित शिक्षक निजी कोचिंग संस्थानों में पढ़ाने का कार्य नहीं कर सकते।संस्थानों के लिए अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लेना भी जरूरी है। अधिनियम के तहत जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआइओएस) या क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को कोचिंग संस्थानों के निरीक्षण का अधिकार है।

डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर मुख्यमंत्री योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

लखनऊ, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसंघ के संस्थापक और प्रखर राष्ट्रवादी नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल परिसर पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को स्मरण किया।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, बलदेव सिंह औलख, विधायक नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य संकल्प का प्रतीक रहा है।

सामने आए। बिल्डर ने न केवल आंतरिक विकास कार्य अधूरे छोड़े थे, बल्कि संशोधित स्वीकृत मानचित्र के नियमों का भी जमकर उल्लंघन किया था। बिल्डर ने प्राधिकरण के पास बंधक रखे गए लगभग 620 वर्ग मीटर क्षेत्र में बने प्लेटों को बिना बंधक मुक्त कराए ही अवैध रूप से ग्राहकों को बेच दिया। कानूनन इस क्षेत्र को मिला प्राधिकरण की अनुमति के बेचा नहीं जा सकता था।

इस गंभीर धोखाधड़ी और वित्तीय अनियमितता को देखते हुए प्राधिकरण के आदेश पर 22 जून 2026 को धाना कोतवाली वृंदावन में आरोपी बिल्डर आर.के. जैन के खिलाफ एफ आईआर दर्ज कराई गई है।वहीं प्राधिकरण में हाउसिंग भूखंड संख्या जी-एच-1 एवं जी-एच-2 पर एक बड़ी आवासीय परियोजना का निर्माण कराया गया था। इस योजना का मानचित्र वर्ष 2011 में प्राधिकरण से स्वीकृत कराया गया था। छपलैंट खारीदन वाले निवासियों का आरोप है कि बिल्डर ने अनुबंध की शर्तों के अनुसार सोसाइटी के भीतर आंतरिक विकास कार्य (जैसे सड़क, बिजली, पानी, ड्रेनेज) पूरे नहीं किए। जब निवासियों ने इसकी शिकायत प्राधिकरण से की, तो विभाग में खलबली मच गई।

धशिकायत के बाद जब विकास प्राधिकरण की टीम ने मौके पर जाकर स्थल निरीक्षण किया, तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। बिल्डर ने न केवल आंतरिक विकास कार्य अधूरे छोड़े थे, बल्कि संशोधित स्वीकृत मानचित्र के नियमों का भी जमकर उल्लंघन किया था।

बिल्डर ने प्राधिकरण के पास बंधक रखे गए लगभग 620 वर्ग मीटर क्षेत्र में बने प्लेटों को बिना बंधक मुक्त कराए ही अवैध रूप से ग्राहकों को बेच दिया। कानूनन इस क्षेत्र को मिला प्राधिकरण की अनुमति के बेचा नहीं जा सकता था।

इस गंभीर धोखाधड़ी और वित्तीय अनियमितता को देखते हुए प्राधिकरण के आदेश पर 22 जून 2026 को धाना कोतवाली वृंदावन में आरोपी बिल्डर आर.के. जैन के खिलाफ एफ आईआर दर्ज कराई गई है।वहीं प्राधिकरण में

उपभोक्ताओं द्वारा किसी भी बिल्डर की शिकायत प्राप्त होने पर सचिव आशीष कुमार सिंह द्वारा तत्काल संज्ञान लेकर पहले जाँच कराने के उपरांत दोषी या लापरवाही सामने आने पर कार्यवाही अन्त में लाई जाती हैं।विकास घ्राधिकरण के सचिव आशीष कुमार सिंह का कहना है कि इस मामले की गहनता से जांच की जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आगे और भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उधर, इस एफआईआर के बाद वृंदावन क्षेत्र के अन्य ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट्स और पलैंट खरीदारों में भी अपनी गाड़ी कमाई के फंसने को लेकर चिंता का माहौल बन गया है।

बिहार राजनीति में खलनायक पर संग्राम चौधरी के बयान पर आरजेडी का तीखा पलटवार

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा लालू प्रसाद को खलनायक कह जाने पर राजनीतिक विवाद छिड़ गया है, जिस पर राजद ने तीखा पलटवार किया है। राजद ने चौधरी को लालू की पाठशाला का उत्पादश बताते हुए इस बयान को लालू-राबड़ी की सुरक्षा में कटौती के मुद्दे से ध्यान भटकाने का एक अपरिपक्व प्रयास बताया है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा लालू प्रसाद को “सबसे बड़ा खलनायक” बताए जाने पर विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने मंगलवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।चौधरी ने एक दिन पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की थी। उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी की सुरक्षा व्यवस्था में कटौती किए जाने के मुद्दे पर कटाक्ष करते हुए कहा था, “सबसे बड़ा खलनायक, जिससे सभी डरते हैं, अब खुद डर में जी रहा है। यह इस बात



क प्रमाण है कि बिहार में अब सुशासन की सरकार है।राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज झा ने पटना में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में चौधरी को “लालू जी की पाठशाला का उत्पाद” बताते हुए कहा कि भाजपा में शामिल होने के बाद वह “बिना जनादेश वाले मुख्यमंत्री” बन गए हैं। झा ने कहा, “हम सार्वजनिक भाषणों में की मर्यादा बनाए रखते हैं। हम खलनायकों को भी खलनायक नहीं कहते और यहां इस धरती के सबसे बड़े नायक को ‘खलनायक’ कहा जा रहा है।” उन्होंने कहा कि

सम्राट चौधरी लालू प्रसाद की उसी “पाठशाला” के छात्र हैं लेकिन उन्होंने वहां की शिक्षा को

आत्मसात नहीं किया और अब पूरी तरह अलग विचारधारा वाले राजनीतिक दल का हिस्सा बन गए हैं। राजद की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने मुख्यमंत्री के बयान को “अनावश्यक और अपरिपक्व” बताया।उन्होंने कहा, “लोग लालू प्रसाद को एक ऐसे संघर्षशील नेता के रूप में देखते हैं, जिन्होंने सशक्तिकरण आधारित कल्याणकारी राजनीति के बल पर लोगों के दिलों में जगह बनाई

है।” मंडल ने दावा किया कि इस प्रकार की टिप्पणी से पिछड़े वर्गों के लोग आहत हुए हैं। उन्होंने लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की सुरक्षा व्यवस्था में कटौती किए जाने के फंसले की भी आलोचना की। मंडल ने कहा कि सरकारी आवास आवंटन और सुरक्षा व्यवस्था के लिए निर्धारित मानक हैं, जिनका उल्लंघन नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया “एक ऐसे आवास की सुरक्षा कम कर दी गई है, जहां दो पूर्व मुख्यमंत्री रहते हैं और जिनमें से एक विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष हैं जबकि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने ऐसे लोगों की सुरक्षा बढ़ा दी है जो विधायक या विधान परिषद के सदस्य भी नहीं हैं।” लालू प्रसाद व राबड़ी देवी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री हैं और राबड़ी देवी वर्तमान में बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष हैं। मंडल ने कहा कि लालू प्रसाद का परिवार “सुरक्षा की भीख” नहीं मांग रहा बल्कि वह उसका अधिकार रखता है।

रहना और सदस्यों के सवालों का जवाब देना सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है।” उन्होंने कहा, “ मैं खुद सदन में आता हूं और मुख्यमंत्री की खुद आकर जवाब देते हैं।इसलिए, यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।” शिवसेना नेता नेविशे कर रहे सदस्यों पर तंज करते हुए कहा, “जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरा किया जाना चाहिए। आप बस कुछ भी बोलते नहीं रह सकते, बेकार की बातें करके सदन का समय बर्बाद नहीं कर सकते।” विपक्षी खेमे की खाली कुर्सीयों की ओर इशारा करते हुए शिंदे ने कहा कि उन्हें (विपक्ष को) पता नहीं है कि उनके साथ क्या हो रहा है।

कि सदन में उठाए गए मुद्दों का जवाब केवल संबंधित विभाग के राज्य मंत्री ही दे सकते हैं। कांग्रेस के नितिन राउत (कांग्रेस) ने कहा कि ऐसी व्यवस्था पहले कभी नहीं देखी गई थी। शिंदे ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विपक्ष के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है और वह कार्यवाही में रचनात्मक रूप से भाग लेने के बजाय उसमें बाधा डाल रहा है।उप मुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष शिंदे ने कहा, “सवालों के जवाब देने और ‘धनार्कषण प्रस्तावों’ के लिए मंत्रियों को नियुक्त करने से यह सुनिश्चित हुआ कि सदस्यों को ज्यादा जानकारी मिले। सदन में मौजूद

महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ी हलचल, एकनाथ शिंदे की विपक्ष को चेतावनी- अभी और भी झटके लगेंगे

एजेंसी।

महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के बहिर्गमन पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने तीखा तंज करते हुए कहा कि शिवसेना (यूबीटी) सांसदों की टूट से विपक्ष अपना मानसिक संतुलन खो बैठा है और उन्हें भविष्य में और भी झटके लगेंगे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (उबाठा) के लोकसभा सांसदों के टूटने के बाद विधानसभा में दिखी फूट को लेकर मंगलवार को मखौल उड़ाते हुए कहा कि विपक्षी सदस्य ‘जोर का झटका’ लगने की वजह से अपना ‘मानसिक संतुलन’ खो बैठे हैं और उन्हें ‘और भी झटके’ लगने

वाले हैं। विधानसभा में आदित्य ठाकरे नीत शिवसेना (उबाठा) और अन्य विपक्षी दलों के विधायकों ने मंत्रियों द्वारा दूसरे विभागों से जुड़े सवालों का जवाब दिये जाने पर आपत्ति जताई और सदन से बहिर्गमन किया, जिसके बाद शिंदे की यह तीखी प्रतिक्रिया आई है।विपक्ष ने मॉनसून सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष राहुल नायक द्वारा कुछ विभागों की जिम्मेदारी कुछ मंत्रियों को सौंपने पर आपत्ति जताई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के सदस्य जयंत पाटिल ने विधानसभा अध्यक्ष से फैसला वापस लेने की मांग की, जबकि आदित्य ठाकरे ने कहा

कि सदन में उठाए गए मुद्दों का जवाब केवल संबंधित विभाग के राज्य मंत्री ही दे सकते हैं। कांग्रेस के नितिन राउत (कांग्रेस) ने कहा कि ऐसी व्यवस्था पहले कभी नहीं देखी गई थी। शिंदे ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विपक्ष के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है और वह कार्यवाही में रचनात्मक रूप से भाग लेने के बजाय उसमें बाधा डाल रहा है।उप मुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष शिंदे ने कहा, “सवालों के जवाब देने और ‘धनार्कषण प्रस्तावों’ के लिए मंत्रियों को नियुक्त करने से यह सुनिश्चित हुआ कि सदस्यों को ज्यादा जानकारी मिले। सदन में मौजूद

रहना और सदस्यों के सवालों का जवाब देना सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है।” उन्होंने कहा, “ मैं खुद सदन में आता हूं और मुख्यमंत्री की खुद आकर जवाब देते हैं।इसलिए, यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।” शिवसेना नेता नेविशे कर रहे सदस्यों पर तंज करते हुए कहा, “जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरा किया जाना चाहिए। आप बस कुछ भी बोलते नहीं रह सकते, बेकार की बातें करके सदन का समय बर्बाद नहीं कर सकते।” विपक्षी खेमे की खाली कुर्सीयों की ओर इशारा करते हुए शिंदे ने कहा कि उन्हें (विपक्ष को) पता नहीं है कि उनके साथ क्या हो रहा है।

एजेंसी।

दिल्ली। टीएमसी ने फिरहाद हकीम और अरुण बिस्वास सहित आठ वरिष्ठ नेताओं को पार्टी-विरोधी गतिविधियों और बढ़ती गुटबाजी के आरोप में निकाशित कर दिया है। यह कार्रवाई पार्टी में आंतरिक अनुशासन बहाल करने और नेतृत्व की पकड़ मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है, जो पश्चिम बंगाल में गंभीर संगठनात्मक चुनौतियों का सामना कर रही है। पश्चिम बंगाल की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (ज्डब) में अंदरूनी कलह के बीच, पार्टी ने मंगलवार को फिरहाद हकीम और अरुण बिस्वास समेत 8 सीनियर नेताओं को पार्टी-विरोधी गतिविधियों के आरोप में बाहर निकाल दिया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यह अनुशासनात्मक कार्रवाई नेतृत्व के बढ़ते संकट और गुटबाजी के कारण की गई है, क्योंकि कई नेता कथित तौर

पर ऐसे काम कर रहे थे जो पार्टी के आधिकारिक रुख के खिलाफ थे।हकीम और बिस्वास, दोनों ही पश्चिम बंगाल सरकार के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि इस फैसले का मकसद पार्टी में आंतरिक अनुशासन बहाल करना और नेतृत्व की पकड़ मजबूत करना है। इसे हाल के वर्षों में पार्टी नेतृत्व के सामने आई सबसे गंभीर आंतरिक चुनौतियों में से एक माना जा रहा है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस पर नियंत्रण की कोशिश में विपक्ष के नेता रीताब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट ने सोमवार को विधायक अरुण रॉय को अध यक्ष चुना। यह पार्टी संस्थापक ममता बनर्जी के प्राधिकार को अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है। इस कदम से संकेत मिलता है कि विधानसभा से शुरू हुई



प्रशासनिक और संगठनात्मक भूमिकाएं निभा चुके हैं। पार्टी में चल रहे इस बड़े बदलाव के दौरान बाहर निकाले गए नेताओं में ये दोनों सबसे प्रमुख नाम हैं। यह घटनाक्रम पार्टी के भीतर हफ्तों से चल रही राजनीतिक अस्थिरता के बाद हुआ है। इस दौरान असहमति के आरोप, नेतृत्व

को लेकर विवाद और संगठनात्मक फंसलों पर नियंत्रण के लिए अलग-अलग गुटों के दावों जैसी स्थितियाँ देखने को मिलीं।पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि इस फैसले का मकसद पार्टी में आंतरिक अनुशासन बहाल करना और नेतृत्व की पकड़ मजबूत करना है। इसे हाल के वर्षों में पार्टी नेतृत्व के सामने आई सबसे गंभीर आंतरिक चुनौतियों में से एक माना जा रहा है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस पर नियंत्रण की कोशिश में विपक्ष के नेता रीताब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट ने सोमवार को विधायक अरुण रॉय को अध यक्ष चुना। यह पार्टी संस्थापक ममता बनर्जी के प्राधिकार को अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है। इस कदम से संकेत मिलता है कि विधानसभा से शुरू हुई

और बाद में संसद तक फैली बगावत अब पार्टी के संगठनात्मक गढ़ तक पहुंच गई है। यहां बागी विधायकों, पार्षदों और अन्य नेताओं की मौजूदगी में एक विशेष सत्र को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि रॉय को सर्वसम्मति से पार्टी का अध्यक्ष चुना गया। पूर्व मंत्री अरुण बिस्वास और विधायक फिरहाद हकीम, रथिन घोष और सबीना यास्मीन को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया, जबकि रीताब्रता बनर्जी, जावेद खान और संदीपन साहा को महासचिव बनाया गया। इस नये ढांचे के जरिये बागी गुट ने ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को राष्ट्रीय महासचिव के पद से प्रभावी रूप से हटा दिया है। रघुनाथागंज के विधायक अखरूज्जमान अंसारी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

अलीगंज अग्निकांड में बड़ी कार्रवाई - 15 मौतों के मामले में मकान मालिक समेत चार गिरफ्तार, कई पहलुओं पर जांच जारी

लखनऊ(आरएनएस)। राजधानी के अलीगंज क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड के मामले में कमिश्नरेट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस दर्दनाक हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 9 अन्य घायल हुए थे। पुलिस का कहना है कि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी और जांच निष्पक्ष एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है |पुलिस के अनुसार 22 जून 2026 को थाना अलीगंज क्षेत्र के पुरनिया चौकी अंतर्गत सेक्टर–डी कॉलोनी में यूपीएससी भवन के पीछे स्थित भवन संख्या 02813 में भीषण आग लग गई थी। आग लगने और पूरे भवन में धुआं भर जाने से वहां रह रहे 15 छात्रों एवं अन्य व्यक्तियों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 9 लोग घायल हो गए। घायलों में कुछ ऐसे भी थे जो जान बचाने के लिए भवन से नीचे कूद गए थे।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून–व्यवस्था), संयुक्त

प्रसाद शुक्ला, गेमिंग जोन एवं इंस्टीट्यूट संचालक तुषांक कृष्ण जायसवाल, आईटी नेटवर्किंग कार्य से जुड़े सुरेश कुमार साहू तथा



पेट शॉप संचालक राम कृष्ण उपाध्याय को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार घटना में अब तक कुल चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि अन्य संभावित जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है।कमिश्नरेट पुलिस ने बताया कि भवन संचालन, अग्नि सुरक्षा उपायों, फायर एनअंसी, विद्युत व्यवस्था और अन्य वैधानिक अनुमतियों से जुड़े सभी पहलुओं की विस्तृत जांच की जा रही है। विभिन्न

वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर किया जाएगा |पुलिस ने मृतकों और घायलों के परिजनों को सूचना देकर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कमिश्नरेट पुलिस ने आश्वस्त किया है कि इस भीषण हादसे में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रकरण की विवेचना जारी है और आगे प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर अतिरिक्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

बीबीएयू के वैज्ञानिकों को मिली बड़ी शोध परियोजना, गंगा-गोमती दोआब में आर्सेनिक और फ्लोराइड प्रदूषण पर होगा अध्ययन

लखनऊ(आरएनएस)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रो. नरेन्द्र कुमार और जैव प्रौद्योगिकी विभाग की डॉ. मोनिका को एक महत्वपूर्ण शोध उपलब्धि हासिल हुई है। नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ), नई दिल्ली ने उनकी संयुक्त शोध 1 परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। लगभग 75 लाख रुपये की लागत वाली यह परियोजना तीन वर्षों की अवधि के लिए स्वीकृत की गई है। “गंगा–गोमती दोआब में आर्सेनिक और फ्लोराइड का जलवैज्ञानिक मानचित्रण सह–अस्तित्व, पर्यावरणीय गतिशीलता और सतत शमन उपायों पर एक समेकित

अध्ययन” विषयक इस परियोजना का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण गंगा–गोमती दोआब क्षेत्र में भूजल में पाए जाने वाले आर्सेनिक और फ्लोराइड जैसे प्रमुख प्रदूषकों की स्थिति, वितरण, सह–अस्तित्व तथा उनके पर्यावरणीय प्रभावों का वैज्ञानिक अध्ययन करना है।शोध

कर्ताओं के अनुसार यह परियोजना सुरक्षित पेयजल उपलब्धता, जनस्वास्थ्य संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगी। वर्तमान समय में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की बड़ी आबादी पेयजल के लिए भूजल पर निर्भर है, लेकिन भूजल में आर्सेनिक और फ्लोराइड की बढ़ती मात्रा गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनती

जा रही है |विशेषज्ञों का कहना है कि आर्सेनिक एक अत्यंत विषैला तत्व है, जिसके लंबे समय तक संपर्क में रहने से त्वचा रोग, हृदय संबंधी समस्याएं और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। वहीं फ्लोराइड की अधिक मात्रा डेंटल फ्लोरोसिस और स्केलेटल फ्लोरोसिस जैसी बीमारियों का कारण बनती है। जब ये दोनों प्रदूषक एक साथ भूजल में मौजूद होते हैं तो मानव स्वास्थ्य, कृषि, मिट्टी की गुणवत्ता और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र पर इनके दुष्प्रभाव और अधिक गंभीर हो जाते हैं |परियोजना के अंतर्गत प्रभावित क्षेत्रों का वैज्ञानिक मानचित्रण किया जाएगा। साथ ही प्रदूषण के स्रोतों और कारणों की पहचान, भूजल की

गतिशीलता का अध्ययन तथा व्यावहारिक और टिकाऊ शमन उपाय विकसित किए जाएंगे। शोध 1 से प्राप्त निष्कर्ष नीति–निर्माताओं, प्रशासनिक संस्थाओं और स्थानीय समुदायों को सुरक्षित पेयजल प्रबंधन तथा जनस्वास्थ्य संरक्षण के लिए वैज्ञानिक आधार उपलब्ध कराएंगे। विश्वविद्यालय के अनुसार यह परियोजना गंगा–गोमती क्षेत्र में जल गुणवत्ता सुधार, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। साथ ही स्थानीय समुदायों में जल गुणवत्ता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जलजनित स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

व्हाट्सएप पर बेटे बनकर मागे 18 लाख रुपये, साइबर क्राइम पुलिस ने ग्वालियर से तीन ठगों को दबोचा

लखनऊ(आरएनएस)। साइबर क्राइम थाना, कमिश्नरेट लखनऊ ने 18 लाख रुपये की साइबर ठगी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए मध्य प्रदेश के ग्वालियर से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक उद्योगपति के पुत्र के नाम का इस्तेमाल कर व्हाट्सएप संदेश भेजा और अकाउंट्स विभाग को झांसे में लेकर 18 लाख रुपये विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ठगी से संबंधित 5.50 लाख रुपये भी फ्रीज करा दिए हैं |पुलिस के अनुसार 5 मई 2026 को टीराज इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता कुलवंत सिंह ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनके कार्यालय के अकाउंट्स विभाग के व्हाट्सएप पर उनके पुत्र के नाम से संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें अत्यंत आवश्यक कार्य बताकर तत्काल धनराशि भेजने

के लिए कहा गया। संदेश पर विश्वास करते हुए अकाउंट्स विभाग ने आरोपियों द्वारा बताए गए बैंक खातों में 18 लाख रुपये स्थानांतरित कर दिए |बाद में जब कुलवंत सिंह ने अपने पुत्र से इस भुगतान के संबंध में जानकारी ली तो पता चला कि उसने किसी भी प्रकार की धनराशि नहीं मांगी थी। इसके बाद साइबर ठगी का खुलासा हुआ और मामले की शिकायत पुलिस से की गई |प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध 1) किरन यादव के निर्देशन में विशेष टीमों का गठन किया गया। तकनीकी जांच, डिजिटल विश्लेषण, बैंकिंग ट्रांजेक्शन ट्रैल, मोबाइल डेटा और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के आधार पर पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग ग्वालियर से मिले। इसके बाद साइबर क्राइम थाना लखनऊ की टीम मध्य प्रदेश भेजी गई |जांच के दौरान पुलिस ने भीष्म भदौरिया, हर्ष आर्य और अमित सिंह भदौरिया को ग्वालियर

से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि को विभिन्न मूल बैंक खातों में जमा कराते थे और बाद में उसे यूएसडीटी (टेदर) नामक क्रिंटो मुद्रा में परिवर्तित कर देते थे। इसके जरिए रकम को अलग–अलग डिजिटल वॉलेट्स में स्थानांतरित कर धन के स्रोत और अंतिम लाभार्थियों की पहचान छिपाने का प्रयास किया जाता था |विवेचना में यह भी सामने आया कि साइबर अपराध 11 पहले मालवेयर युक्त एपीके फाइल या लिंक भेजकर पीड़ित के मोबाइल तक अनधिकृत पहुंच प्राप्त करते थे। इसके बाद मोबाइल में सेव संपर्कों के नाम से छेड़छाड़ कर अपने नंबर को परिचित व्यक्ति के नाम से प्रदर्शित करते थे। इसी तकनीक का इस्तेमाल कर पीड़ित के पुत्र के नाम से संदेश भेजा गया और अकाउंट्स विभाग को झांसे में लेकर रकम ट्रांसफर करा ली गई |पुलिस के अनुसार गिरफ्तार

साढ़े पांच किंवंतल फलों से किया गया बड़े हनुमान जी का श्रृंगार

प्रयागराज। ज्येष्ठ माह के अंतिम बड़े मंगल पर शहर के प्रमुख हनुमान मंदिरों में भोर से ही दर्शन–पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। संगम तट स्थित श्री बड़े हनुमान मंदिर (लेटे हनुमान जी) में विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। प्रातःकाल महंत बलबीर गिरी ने विधि–विधान से पंच द्रव्य से बजरंगबली का अभिषेक और स्नान कराया |इसके उपरांत लगभग 5.

5 विंवंतल फलों से भगवान का दिव्य और आकर्षक श्रृंगार किया गया। इस श्रृंगार में डेढ़ किंवंतल आम, ढाई किंवंतल सेब, एक किंवंतल संतरा, एक किंवंतल अनार तथा पचास दर्जन केले सहित विभिन्न प्रकार के फलों का उपयोग हुआ। मंदिर परिसर को सुगंधित देसी और विदेशी फूलों से भी भव्य रूप से सजाया गया था |विशेष श्रृंगार के उपरांत महंत बलबीर गिरी ने बजरंगबली की विशेष

आरती संपन्न कराई। इसके बाद मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए, जहां हजारों भक्तों ने बजरंगबली के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

मंदिर परिसर में हनुमान चालीसा और सुंदरकांड के सामूहिक पाठ से आध्यात्मिक वातावरण और अधिक भक्तिमय हो गया। महाआरती के बाद संकटमोचन को 56 भोग अर्पित

प्रतियोगिताओं के माध्यम से नशा मुक्ति हेतु किया जागरूक

प्रयागराज। नशा मुक्त भारत अभियान रू विकसित भारत की पहचान थीम के अंतर्गत 17 जून से 26 जून तक चलाए जा रहे नशा मुक्ति जन–जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय प्रयागराज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 055 द्वारा विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत 17 जून को स्लोगन प्रतियोगिता, 21 जून को पोस्टर प्रतियोगिता तथा 23 जून को कहानी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे के निर्देशन में संपन्न हुआ |प्रतियोगिताओं में स्वयंसेविकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नशे के दुष्प्रभावों, स्वस्थ जीवनशैली तथा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका को अपने स्लोगनों, पोस्टरों एवं कहानियों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने स्वयंसेविकाओं द्वारा तैयार किए गए पोस्टरों, स्लोगनों एवं कहानियों का अवलोकन करते हुए उनकी सराहना की। प्रो. अजय प्रकाश खरे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नशा मुक्त भारत का निर्माण तभी संभव है जब युवा पीढ़ी स्वयं जागरूक हो तथा समाज को भी जागरूक बनाने का दायित्व निभाए।

कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षिका प्रो. नीलिमा सिंह, प्रो. नमिता यादव, डॉ. प्रियंका शर्मा (कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना), डॉ. अमित्रेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. विवेक सिंह, डॉ. शमेनाज बानो, डॉ. अंशु त्रिपाठी, डॉ. वर्षा अग्रवाल, डॉ. अनिल कुमार यादव, महाविद्यालय के शिक्षकगण, शोधार्थीगण, शिक्षणेतर कर्मचारीगण तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की समस्त स्वयंसेविकाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बेला कछार में खून से लथपथ मिली लड़की

प्रयागराज। फाफामऊ कछार में में एक 17 साल की लड़की सोमवार शाम कछार में लहलुहान हाल में मिली। घरवालों ने पुलिस को सूचना दी कि उसे गोली मार दी गई। मेडिकल जांच में पता चला कि उसकी जांच में चाकू जैसी धातु तलवार चीज से हमला किया गया। हमलावर क्यों थे और उन्होंने हमला क्यों किया, लड़की इस बारे में भी कुछ बता नहीं पाई है। मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फाफामऊ पुलिस के अनुसार पुराना फाफामऊ के रहने वाले अन्नू, गौतम वाहन चलाते हैं। उनकी इकलौती 17 वर्षीय पुत्री प्रीति सोमवार रात अपनी बुआ

वंदना से शौच की बात कहकर घर से निकली। वह बेला कछार पहुंची। कुछ देर बाद घरवालों को पता चला कि प्रीति को किसी ने गोली मार दी है। वह घटनास्थल पर पहुंचे और आननफानन उसे फाफामऊ स्थित एक निजी अस्पताल ले गए।

पुलिस के अनुसार सोमवार शाम 7 बजे के करीब फाफामऊ के विनीता हॉस्पिटल से सूचना मिली कि एक लड़की जखमी हाल में लाई गई है। घरवालों को उसने बताया है कि वह शौच के लिए गई थी। तभी तीन लड़कों ने उसे गोली मार दी। सूचना मिलते ही फाफामऊ थाना पुलिस के साथ डीसीपी, एडीसीपी गंगानगर भी पहुंच गए। घटना की जानकारी

मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया।

प्राथमिक उपचार के बाद उसे स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल भेजा गया। एसआरएन में डॉक्टरों ने उसका मेडिकल परीक्षण कराया और एक्स–रे किया। अस्पताल में हुई जांच के दौरान यह सामने आया कि उसे गोली नहीं लगी है। डॉक्टरों ने उसकी जांच में चोट के निशान पाए। यह भी बताया कि प्रथमदृष्ट्या किसी धारदार हथियार से चोट पहुंचाए जाने की बात प्रतीत हो रही है। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच का दायरा बढ़ा दिया।

किशोरी ने पुलिस को बताया कि वह शाम को शौच के लिए गई थी। इसी दौरान दो–तीन युवकों ने

उस पर हमला कर दिया। उसने बताया कि वह हमलावरों को नहीं पहचानती और पहले कभी उन्हें नहीं देखा था। किशोरी का यह भी कहना है कि उस पर हमला क्यों किया गया, इसके बारे में भी उसे कोई जानकारी नहीं है। पुलिस उसके बयान के आधार पर घटना की परिस्थितियों और संभावित कारणों की जांच कर रही है।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि किशोरी के बयानों में कुछ विरोधाभास सामने आए हैं। किशोरी घटना का समय शाम करीब पांच बजे बता रही है, जबकि जांच में पता चला है कि शाम 6रू30 बजे तक उसके मोबाइल फोन से किसी व्यक्ति से लगातार बातचीत हो रही थी।

अतीक अहमद की बेनामी संपत्तियों की फिर होगी तहकीकात एसआईटी करेगी जांच, हर हफ्ते देगी रिपोर्ट

प्रयागराज। दिवंगत माफिया अतीक अहमद और उसके करीबियों की कथित बेनामी संपत्तियों की जांच के लिए पुलिस ने विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया है। यह कार्रवाई अधिवक्ता केपी श्रीवास्तव की शिकायत के बाद की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अतीक अहमद और उसके परिजनों ने अपने करीबी मदद लाल भारतीया के नाम पर ६ मूमनगंज क्षेत्र में कई संपत्तियां खरीदी थीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधिकारियों ने संपत्तियों की जांच कर आवश्यक

विधिक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं |एसआईटी में पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य, एडीएम सिटी सत्यम मिश्र, अपर नगर आयुक्त अरविंद राय, एसआईजी स्टाम्प राकेश चंद्रा और पीडीए सचिव विनीत कुमार सिंह को शामिल किया गया है। टीम को संबंधित संपत्तियों के बारे में गोपनीय एवं प्रामाणिक जानकारी जुटाने, दस्तावेजों की जांच करने तथा अवैक रूप से अर्जित संपत्तियां मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आदेश के अनुसार एसआईटी को तीन दिन के भीतर जांच शुरू

करनी होगी। साथ ही टीम को प्रत्येक सोमवार को संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट अपर पुलिस आयुक्त को परेशान होगी। माना जा रहा है कि अतीक अहमद से जुड़े आर्थिक नेटवर्क और बेनामी संपत्तियों के खिलाफ चल रहे अभियान में यह कार्रवाई महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। भले ही माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की मौत हो चुकी हो, लेकिन आज भी शहर में लोग उसके नाम और कारनामों से परेशान हैं। माफिया ने अपने जीवन में इतनी जमीनों पर कब्जा किया

लखनऊ हादसे के बाद एक्टिव हुआ अग्निशमन विभाग

प्रयागराज। लखनऊ में हुए भीषण अग्निकांड के बाद प्रयागराज में अग्निशमन विभाग ने मंगलवार को कर्नलगंज क्षेत्र स्थित कोचिंग सेंटरों, लाइब्रेरी और अन्य शिक्षण संस्थानों की जांच के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया। अभियान के दौरान कई प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा संबंधी गंभीर कमियां सामने आई हैं, जिसके बाद संचालकों को आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन एवं अग्निशमन विभाग ने जांच के बाद खान ग्लोबल स्टडीज समेत कई अन्य कोचिंग संस्थान सील किए गए। इन संस्थानों पर मानकों

के विपरीत संचालित होने के चलते कार्रवाई की गई है |अभियान की शुरुआत इंडियन प्रेस चौराहे के को कर्नलगंज क्षेत्र स्थित कोचिंग सेंटर से हुई। जांच के दौरान

स्वयं लगाए गए स्मोक डिटेक्टर, फायर अलार्म सहित कई अग्निशमन उपकरण निष्क्रिय अवस्था में पाए गए। टीम ने पाया कि आपात स्थिति में उपयोग किए जाने वाले कई सुरक्षा उपकरण कार्य नहीं कर रहे थे। इससे किसी दुर्घटना की स्थिति में छात्रों को गंभीर खतरा हो सकता है |निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि संस्थान में अग्निशमन विभाग की ओर से

निर्धारित कई अन्य जरूरी मानकों का भी पालन नहीं किया गया। अलग प्रवेश और निकास मार्ग, होज रूल, पर्याप्त क्षमता का पानी का टैंक, अग्निशमन यंत्र तथा इमरजेंसी लाइटिंग सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं या तो उपलब्ध नहीं थीं या मानकों के अनुरूप नहीं थीं। इस पर अधिकारियों ने भवन संचालक को तत्काल कमियां दूर करने के निर्देश दिए |सीएफओ चंद्र मोहन शर्मा ने बताया– मुख्यालय के निर्देश पर यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है |इसके तहत कोचिंग सेंटरों और लाइब्रेरी की जांच कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि

वहां अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन हो रहा है या नहीं। जिन संस्थानों में कमियां मिलेंगी, उन्हें नोटिस जारी कर 7 दिन का समय दिया जाएगा। निर्धारित अवधि में व्यवस्थाएं पूरी नहीं करने वालों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार अभियान केवल एक या दो संस्थानों तक सीमित नहीं रहेगा। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित अन्य कोचिंग सेंटरों, लाइब्रेरी और शिक्षण संस्थानों का भी निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिए अलग–अलग टीमों गठित की गई हैं, जो चरणबद्ध तरीके से जांच कर रिपोर्ट तैयार करेंगी।

^[1] प्रयागराज। ज्येष्ठ माह के अंतिम बड़े मंगल पर शहर के प्रमुख हनुमान मंदिरों में भोर से ही दर्शन–पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं

^[2] संगम तट स्थित श्री बड़े हनुमान मंदिर (लेटे हनुमान जी) में विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए

^[3] प्रातःकाल महंत बलबीर गिरी ने विधि–विधान से पंच द्रव्य से बजरंगबली का अभिषेक और स्नान कराया

^[4] इसके उपरांत लगभग 5

कावा के 31वें स्थापना दिवस पर 101 रैपिड एक्शन फोर्स, प्रयागराज में स्वास्थ्य शिविर, खेल प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हुआ भव्य आयोजन

विजडम इंडिया
प्रयागराज (विनोद द्विवेदी जिला संवाददाता) दिनांक 22 जून 2026 को कावा के 31वें स्थापना दिवस के अवसर पर 101 रैपिड एक्शन फोर्स, प्रयागराज में श्री मनीष कुमार भारती, कमांडेंट 101 आरएफए एवं क्षेत्रीय कावा अड्डे



यक्षा श्रीमती स्मिता भारती के मार्गदर्शन में विभिन्न कल्याणकारी एवं मनोरंजक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकांश जवानों, महिला कर्मियों



लखनऊ अग्निकांड हादसे के बाद जागा मथुरा मे प्रशासन, बड़े हादसों के बाद ही अफरा तफरी का बनता है माहौल

-सिटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व मे हुई छापेमारी, मची खलबली -अग्निशमन विभाग की बिना एनओसी के संचालित पाए गए कोचिंग संस्थान, लाइब्रेरी

(मथुरा)

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ मे दर्दनाक अग्निकांड हादसे के बाद धर्मनगरी मथुरा में भी जिला प्रशासन ने नींद से जागने के बाद पूरी तरह से श्वालर्ट मोडर्न पर आ गया है। छात्रों और आम जनता की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मंगलवार को सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्र के नेतृत्व में एक बड़ी संयुक्त टीम ने बीएसए कॉलेज क्षेत्र के आसपास संचालित कोचिंग सेंटरों और लाइब्रेरियों पर सघन चौकिस अभियान चलाया।अचानक हुई कार्रवाई से पूरे कोचिंग हब इलाके में हड़कंप मच गया और कई कोचिंग संचालक अपने सेंटरों



बड़ी प्रसिद्ध कोचिंग संस्थानों के पास फायर विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र तक नहीं था। कुछ स्थानों पर आपातकालीन निकास के रास्ते बंद थे या बेहद संकरे थे, जो किसी भी हादसे के वक्त बेहद जानलेवा साबित हो सकते थे। सुरक्षा मानकों की इस गंभीर अनदेखी पर कड़ा रुख अपनाते हुए सिटी मजिस्ट्रेट ने मौके पर ही आधा दर्जन कोचिंग सेंटरों और लाइब्रेरियों को सील करने के आदेश दे दिए। प्रशासन की यह कार्रवाई सिर्फ कोचिंग सेंटरों तक ही सीमित नहीं रही। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि इसी मार्ग पर व्यावसायिक संचालित हो रहे सभी तरह के होटलों की भी जांच की गई है। सुरक्षा और एनओसी

से जुड़े मानकों में कमियां पाए जाने पर इन सभी होटलों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। कार्रवाई के संबंध में जानकारी देते हुए सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्र ने साफतौर पर कड़े शब्दों में कहा कि कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है। इसके साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जायेगा।

जिन भी संस्थानों में नियमों का उल्लंघन पाया जाएगा, उनके खिलाफ इसी तरह कठोर कानूनी कार्रवाई अमल मे लाई जायेगी। प्रशासन की एक साथ हुई ताबड़तोड़ कार्यवाही के बाद जिले भर के कोचिंग माफियाओं और अवैध रूप से चल रही लाइब्रेरियों में दहशत का माहौल है। कई संचालक आनन-फानन

अपने फायर सेफ्टी उपकरण और कागजात दुरुस्त करने की कवायद में जुट गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है। कि यह चेकिंग अभियान रुकने वाला नहीं है, बल्कि लगातार जारी रहेगा।बताया जाता है कि विकास प्राधिकरण की टीम ने बीएसए कॉलेज रोड स्थित होटल शिवोम को भी मानकों के अनुरूप न मिलने पर सील किया है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर इन्टरचेंज बनवाए जाने की मांग वर्षों बाद भी अधूरी बार बार मांग के बावजूद भी नहीं बन सका कट

बल्दीरायधसुल्तानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से क्षेत्र की बेहतर कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास की उम्मीद लगाए बैठे बल्दीराय क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग आज तक पूरी नहीं हो सकी है। क्षेत्र के लोगों द्वारा लंबे समय से बल्दीराय के निकट इंटरचेंज (प्रवेश एवं निकास मार्ग) बनाए जाने की मांग की जा रही है, ताकि तहसील क्षेत्र के लाखों लोगों को सीधे एक्सप्रेस-वे का लाभ मिल सके। जानकारी के अनुसार, क्षेत्रवासियों की मांग पर पूर्व सांसद मेनका गांधी ने भी जनहित को देखते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के किमी 96–97 के पास ग्राम चक टेरी में मुसाफिरखाना-अयोध्या मार्ग को जोड़ने के लिए इंटरचेंज निर्माण की मांग शासन स्तर पर उठाई थी। इसके लिए उन्होंने अपर मुख्य सचिव तथा संबंधित अधिकारियों को पत्र भी भेजा था। क्षेत्रवासियों का कहना है कि बल्दीराय के निकट इंटरचेंज बनने से सुल्तानपुर, अयोध्या और अमेठी के सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलता, व्यापार और आवागमन को गति मिलती तथा निवेश की संभावनाएं भी बढ़तीं।

विधायक ने मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना के लाभार्थियों को बाटे चयन पत्र योजना का लाभ पाने वालों में 121 महिला व 121 पुरुष 2 स्वदेशी गायों की डेयरी स्थापित करने पर मिलेगा 80 का अनुदान

मीरजापुर। प्रदेश की योगी सरकार द्वारा किसानों की आय दोगुनी करने के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयास के तहत मंगलवार को दुग्ध विकास कार्यालय में मझवां विधायक सुचिस्मिता मोर्य द्वारा मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना के 242 लाभार्थियों को चयन पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर विंध



याचल मंडल के डीडीओ अखिलेन्द्र मिश्रा, नंदबाबा दुग्ध मिशन के नोडल अधिकारी मनोज दुबे समेत तमाम अन्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित मझवां विधायक सुचिस्मिता मोर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार गो-संरक्षण, संवर्धन के साथ-साथ आमजन मानस को रोजगार से भी जोड़ने का प्रयास कर रही है। उन्होंने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार के छोटे से प्रयास से उनकी आर्थिक समृद्धि के द्वार खुलेंगे। नंदबाबा दुग्ध मिशन के नोडल अधिकारी मनोज दुबे ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना के तहत जिले के 242 लाभार्थियों (121 महिला व 121 पुरुषों) को मंगलवार को चयन पत्र वितरित किया गया है। इस योजना के तहत पशुपालकों को उन्नत नस्ल की 2 स्वदेशी गायों की डेयरी इकाई स्थापित करने के लिए 80 हजार रुपये तक का अनुदान दिया जाता है। यह राशि शासन द्वारा डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी के खाते में भेजी जाएगी। योजना का मुख्य उद्देश्य उन्नत नस्ल की स्वदेशी गौवंश को बढ़ावा देना जिससे ज्यादा दुग्ध उत्पादन के साथ साथ संकर नस्ल की गायों में फैल रही तरह तरह की बीमारियों जैसे लम्बी रोग आदि से निजात दिलाते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के नए अवसर पैदा करना है।

चयन पत्र पाकर खिले महिलाओं के चेहरे चौहानपट्टी निवासी सुनिता यादव ने बताया कि यह योजना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में कारगर साबित होगी। उन्हें घर पर ही एक तरह का रोजगार प्राप्त हुआ है। घर की जरूरत के लिए दूध भी उपलब्ध होगा तथा अतिरिक्त दूध बेचकर आमदनी भी होगी। इसी तरह पहाड़ा निवासी उषादेवी ने कहा कि उन्नत नस्ल की गायें महंगी मिलती हैं जिन्हें वह खरीद नहीं सकतीं, लेकिन सरकार से मिली मदद उनके लिए सहायक बनी है। अब वे उन्नत नस्ल की गायें खरीद कर घर से ही दूध का व्यापार कर सकेंगी। दूध बेचकर जो आमदनी होगी उससे परिवार का भरण-पोषण अच्छे से हो सकेगा।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत जिला महिला चिकित्सालय में महिला कल्याण एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का किया गया आयोजन

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार के निर्देश के अनुपालन एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी अनिल कुमार सोनकर के कुशल मार्गदर्शन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत जिला महिला चिकित्सालय मिर्जापुर में महिला कल्याण एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता माननीय सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मिर्जापुर श्री आनंद कुमार जी द्वारा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि को मां विधेयासिनी का स्मृति



चिन्ह एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का मोमेंट देकर स्वागत अभिवादन के साथ किया गया।उक्त कार्यक्रम में महिला चिकित्सालय की नवजात 20 बच्चियों के नाम से केक काटकर उनका जन्मोत्सव मनाया गया तथा उनके अभिभावक को उपहार स्वरूप बेबी किट प्रदान किया गया। इसके साथ ही प्रसूता का प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना एवं जन्म लेने बच्चियों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना अंतर्गत लाभ प्रदान किए जाने हेतु चिन्हित किया गया तथा उनके अभिभावक से शीघ्रातिशीघ्र आवेदन पत्र भरवाने हेतु कहा गया। मुख्य अतिथि द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी अभिभावकों को कन्या जन्म की बधाई देते हुए बच्चियों के अच्छे स्वास्थ्य एवं शिक्षा देने हेतु अपील की गई।उनके द्वारा कहा गया कि वे सभी सौभाग्यशाली हैं, जिनके घर बेटियां जन्म लेती हैं। आज बेटियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। एक अभिभावक के बच्चियों के विवाह से संबंधित प्रश्न पूछने पर माननीय सचिव द्वारा कहा गया कि हम अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर इस काबिल बना दें कि उन्हें किसी योजना के लाभ की आवश्यकता ही ना हो। कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग की ओर से उपस्थित डॉ मंजू यादव द्वारा महिला व बालिका परक योजनाओं से सभी को अवगत कराया गया। प्रभारी चिकित्साअधीक्षक सुनील कुमार सिंह द्वारा नवजात बच्चियों के पोषण सुरक्षा इत्यादि पर उपस्थित अभिभावकों को जागरूक किया गया। डॉक्टर जागृति द्वारा महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। महिला कल्याण से दिव्या जायसवाल, शालिनी देवी एवं नगीना सिंह द्वारा विभिन्न योजनाओं का स्टीकर, पंपलेट, बुकलेट इत्यादि वितरित कर लोगों को जागरूक किया गया। नवजात बच्चियों के नाम से चिकित्सालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया। उक्त कार्यक्रम में एचओडी डॉक्टर वंदना मोर्या, मुख्य नर्स मनीषा, रेखा मोर्य एवं अन्य जिला महिला चिकित्सालय के स्टाफ नर्स के साथ ही आम जनमानस उपस्थित रहे।

मुकदमे में फंसाने की साजिश का आरोप

बदलापुरधौनपुर(आरएनएस)। थाना बदलापुर क्षेत्र के ग्राम नेवादा मुखलिसपुर निवासी एक युवक ने पुलिस एवं प्रशासन से शिकायत कर निष्पक्ष जांच की मांग की है। युवक का आरोप है कि 16 जून को गांव में लगी आग को बुझाने के दौरान कुछ लोगों ने उसका विरोध किया और उसे झूठे मुकदमे में फंसाने की साजिश रची।प्रार्थना पत्र के अनुसार, गांव में सुनीता पत्नी जंगबहादुर तथा परमीला पत्नी नंदलाल के मड़हे में आग लगने पर वह समरसेबल की पाइप से पानी लेकर आग बुझाने पहुंचा था। आरोप है कि इसी दौरान कुछ लोगों ने आग बुझाने का विरोध किया तथा ईंट-पत्थर लेकर हमला करने का प्रयास किया। शिकायतकर्ता का दावा है कि घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग भी उसके पास मौजूद है।पीडित ने आरोप लगाया है कि कुछ लोगों ने मिलकर आगजनी की घटना को अंजाम दिया और बाद में उसे तथा उसकी मां को झूठे मामले में फंसाने की साजिश रची। साथ ही विपक्षियों पर जान से मारने की धमकी देने, रास्ता अवरुद्ध करने और पुरानी रंजिश के चलते लगातार परेशान

कर्मचारी सगठन द्वारा योग दिवस मनाया गया

मीरजापुर 23 जून 2026— रामबाग संघ भवन में कर्मचारी सगठन द्वारा योग दिवस मनाया गया। जिसमें संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष मोहन लाल यादव ने कहा योग दिवस प्रत्येक 21 जून को मनाया जाता है तथा जिसमें पूरे विश्व में शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक चेतना का विकास होता हैं। राज्य कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष लाल साहब बिन्द ने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी अपने माता पिता के नाम पर एक वृक्ष लगाएं तथा पूरे विश्व को रोगमुक्त कर सकें। हमारी पृथ्वी वसुधैव कुटुम्बक पर कार्य करती है। आज विश्व योग दिवस की 12वीं वर्षगांठ मनाया गया तथा



प्रत्येक व्यक्ति का चेतना, मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है। महासंघ के मण्डल अध्यक्ष जगदीश प्रसाद खरवार ने कहा विश्व हमारा परिवार है। योग दिवस प्रत्येक वर्ष 21 जून को मनाया जाता है ताकि व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास हो सके तथा पूरा विश्व रोगमुक्त हो सके। इसलिए योग प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यक होता है, ताकि उसकी शारीरिक एवं मानसिक विकास हो सके। महासंघ के कार्यवाहक अध्यक्ष धर्मेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि योग दिवस के स्थान पर नियमित योग साधना दिवस को रूप में मनाया जाय तथा सम्पूर्ण विश्व हमारा परिवार है, जिसकी रक्षा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के स्थान पर एक बड़े संस्था का निर्माण हो, जिसका नाम विश्व संविधान रखा जाय (पृथ्वी) का सम्पूर्ण क्षेत्रफल 51 करोड़ 01 लाख वर्ग किमी.) सम्मिलित हो सके, ताकि प्रत्येक व्यक्ति का विश्व स्तर तक शारीरिक, मानसिक चेतना एवं आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विकास विश्व स्तर तक हो सके। संघ संरक्षक श्याम लाल यादव ने कहा कि योग प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यक है।

आज की बैठक में उपस्थित संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष मोहन लाल यादव, मण्डल अध्यक्ष जगदीश प्रसाद खरवार, संघ संरक्षक श्याम लाल यादव, महासंघ के जिलाध्यक्ष लाल साहब बिन्द, कार्यवाहक अध्यक्ष धर्मेन्द्र पाण्डेय, राजेन्द्र प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय में योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय में आज योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय परिवार में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित करना था।

इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. शोभा गोड़ ने अपने उद्बोधन में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है, बल्कि मानसिक संतुलन एवं आत्मिक शांति का भी सशक्त माध्यम है। उन्होंने विशेष रूप से “ल्वहं वित भ्मंसजील ।हसपदहं” विषय का उल्लेख करते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से स्वस्थ, सक्रिय एवं सकारात्मक वृद्धावस्था संभव है। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम कराए गए, जिनमें ताड़ासन, कूशासन, भुजंगासन, त्रिकोणासन, वज्रासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोमद्विलोम तथा ध्यान अभ्यास शामिल रहे। योग प्रशिक्षक श्री शैलेन्द्र यादव द्वारा सभी आसनों के लाभ एवं सही विधि की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम में कुलसचिव श्री रामनारायण, परीक्षा नियंत्रक श्री हरीश चंद, सहायक कुलसचिव सहित विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

कोचिंग संस्थानों में चला निरीक्षण अभियान

जौनपुर(आरएनएस)। लखनऊ में हुए भीषण कोचिंग सेंटर अग्निकांड के बाद जनपद में संचालित कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था और मानकों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इसी क्रम में जिला प्रशासन ने कार्रवाई तेज करते हुए कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण शुरु कर दिया है।अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा तथा मुख्य अग्निशमन अधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने शहर के विभिन्न कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों की जांच की। निरीक्षण के दौरान अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकास द्वार, भवन की सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक मानकों का परीक्षण किया गया। सूत्रों के अनुसार कई संस्थानों में अग्नि सुरक्षा से जुड़े आवश्यक इंतजाम नहीं पाए गए, जबकि कुछ स्थानों पर आपात स्थिति से निपटने की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि छात्रों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। मानकों का पालन न करने वाले कोचिंग संस्थानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही संचालकों को सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बड़े मंगलवार पर विषाल भण्डारा संचालन

जौनपुर(आरएनएस)। पावन ज्येष्ठ माह के बड़े मंगलवार के उपलक्ष्य में श्री हनुमान भक्त मंडल, सुतहट्टी बाजार द्वारा प्रत्येक मंगलवार को आयोजित विशाल भंडारा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हो गया। नगर के सुतहट्टी बाजार चौराहा पर आयोजित इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, नगरवासियों एवं क्षेत्रवासियों ने सहभागिता कर प्रसाद ग्रहण किया तथा श्री हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस सेवा एवं धर्मार्थ कार्यक्रम के अंतर्गत भक्तों के लिए निःशुल्क भंडारे और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में समाज के सभी वर्गों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। विशेष रूप से नगर के व्यापारी बंधुओं ने तन, मन एवं धन से सहयोग प्रदान कर आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री हनुमान भक्त मंडल के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी श्रद्धालुओं, व्यापारी बंधुओं, सहयोगियों एवं समाजसेवियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नगर पंचायत गोसाईगंज की 26वीं बोर्ड बैठक संपन्न

-नई योजनाओं व नियमावलियों पर हुई चर्चा, 18 प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

गोसाईगंज–अयोध्या। नगर पंचायत गोसाईगंज की 26वीं बोर्ड बैठक सोमवार को चेयरमैन डॉ0 विजयलक्ष्मी जायसवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई।सुबह11 बजे प्रारंभ हुई बोर्ड बैठक लगभग चार घंटे तक चली, जिसमें नगर के विकास कार्यों की समीक्षा, पिछली बैठकों की पुष्टि, नई योजनाओं एवं नियमावलियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कुल 18 प्रस्तावों पर विचार करते हुए बोर्ड द्वारा सर्वसम्मति से संसृति प्रदान की गई। बैठक में आगामी त्योहारों मोहर्रम एवं दुर्गा पूजा के महेनजर सुरक्षा, स्वच्छता, नदी सफाई एवं नाला सफाई सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर विशेष चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त नगर के विभिन्न वार्डों में सड़क निर्माण, नाली, पटिया, पाइपलाइन विस्तार तथा सड़कों के नामकरण संबंधी प्रस्तावों पर भी विचार–विमर्श किया गया। कस्बेवासियों को लंबे समय से लंबित दाखिल–खारिज प्रक्रिया में राहत देने के लिए 15 जुलाई से 15 अगस्त तक विशेष शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान 5 प्रतिशत शुल्क की दर से दाखिल–खारिज की प्रक्रिया पूर्ण कराने पर सभी सदस्यों ने सहमति व्यक्त की। बैठक में 9 मई 2025 के शासनादेश, जिसमें दाखिल–खारिज प्रक्रिया को हाउस टैक्स रसीद से जोड़ने का प्राक्धान किया गया है, पर भी चर्चा हुई। बोर्ड के सदस्यों ने सर्वसम्मति से इस व्यवस्था का विरोध करते हुए कहा कि इससे नागरिकों को नकल, बरासत, वसीयत, नक्शा स्वीकृति एवं विभिन्न कनेक्शनों जैसी आवश्यक

सेवाओं के लिए अनावश्यक रूप से बाध्य होना पड़ेगा। बोर्ड ने इस संबंध में शासनादेश का अनुमोदन न करने का निर्णय लिया। वहीं 18 मई 2026 को 11 सभासदों के नाम से प्रस्तुत एक पत्र पर चर्चा करते हुए अधिकांश सभासदों ने उसे भ्रामक एवं संदर्भहीन बताते हुए खारिज कर दिया। सभासदों ने स्पष्ट किया कि नगर पंचायत बोर्ड पूरी तरह एकजुट है और नगर के विकास कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है। इस संबंध में सभासदों ने अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी को एक लिखित पत्र भी सौंपा। बैठक में महादेव घाट पर स्वागत द्वारा निर्माण, वीर सावरकर ब्रिज के सौंदर्यीकरण तथा मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के अंतर्गत विभिन्न वार्डों में प्रस्तावित विकास परियोजनाओं

पर भी चर्चा हुई। लगभग 10 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं पर मंथन किया गया, जिनका लाभ शीघ्र ही कस्बेवासियों को मिलने की उम्मीद है।चेयरमैन डॉ0 विजयलक्ष्मी जायसवाल ने कहा कि आगामी दिनों में नगर पंचायत के विकास कार्यों को और अधिक गति दी जाएगी तथा नागरिकों को कई नई सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके साथ ही अगले माह तक नगर की सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ किए जाने की योजना है।बैठक में ईओ विनय कुमार द्विवेदी, सभासद रविंद्र यादव, कालीचरण वर्मा, अवधेश स्वर्णकार, करुणाकर वर्मा,

जगदंबा कसीधन, आलोक गुप्ता एवं उत्कर्ष शेखर जायसवाल उपस्थित रहे।

व्यापारियों ने मंडी सचिव को सौंपा ज्ञापन

अयोध्या। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल मिश्रा गुट के प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर संगठन के पदाधिाकारी व कई व्यापारियों ने मंडी सचिव शिव गोपाल से मिलकर उन्हें मांग पत्र सौंपा। व्यापारियों ने अयोध् या नवीन मंडी में व्याप्त अवस्थाओं को दूर करने की मांग की व्यापारियों ने कृषि उत्पादन मंडी सचिव से मिलकर उन को ज्ञापन सौंपा। वहीं जिला अध्यक्ष कविंद्र साहनी ने कहा कि जो मंडी समिति ने अपना नया ऐप लॉन्च किया है वह सही काम नहीं करता सर्वर हमेशा डाउन रहता है और इन्होंने मंडी की दुकानों में प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत की वृद्धि कर दी है जबकि इनकी अच्छी इनकम होती है उसको वापस लेने की हम सभी व्यापारियों ने मांग की है एवं मंडी की दुकानों में व्यापारियों को होने वाली समस्याओं का हल निकाले जाने की मांग की गई है संगठन जिला अध्यक्ष कवींद्र साहनी के नेतृत्व में मंडी सचिव शिव गोपाल को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें मुख्य रूप से संरक्षक विजय गुप्ता जिला महामंत्री रमेश चौरसिया महानगर कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी तिवारी महानगर महामंत्री प्रेमानाथ राय युवा जिला अध्यक्ष सौरभ सरीन दिग्विजय पांडे अंकित जैन जिला सचिव प्रभात अग्रवाल जिला सचिव विष्णु अरुण साहू सहित अन्य लोक मौजूद थे उक्त जानकारी जिलाध्यक्ष आईटी सेल मानव मेहरोत्रा ने दी।

नोटिस की समय सीमा बीती, नहीं हटाया अतिक्रमण

मिल्कीपुर–अयोध्या। सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण को हटाने के लिए चर्षा की गई नोटिस के दो माह बीत जाने के बाद भी सार्वजनिक भूमि से विपक्षी ने कब्जा नहीं हटाया है। विपक्षी के द्वारा कब्जा हटाये जाने से अर्ि निर्मित नाले का का पुनः निर्माण शुरु नहीं हो सका है। तहसील मिल्कीपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत भदोखरा निवासी प्रधान प्रतिनिधि लालू यादव ने एसडीएम मिल्कीपुर को दिए गए शिकायती पत्र में बताया है कि गांव की जल निकासी के लिए नाला बनाया जा रहा है जिसका 90 प्रतिशत से अधिक काम पूरा भी हो चुका है। निर्माणाध्ािन नाले के सामने गांव के ही एक व्यक्ति के द्वारा अवैध कब्जा किए जाने से नाले का निर्माण रुक गया है। अतिक्रमण को हटाने के लिए प्रशासन के द्वारा 20 अप्रैल को नोटिस चप्पा कर 10 दिन के अंदर अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था लेकिन दो माह बीती जाने के बाव भी विपक्षी द्वारा अवैध कब्जा नहीं हटया गया जिसके चलते नाले का निर्माण कार्य शुरु नहीं हो सका है। प्रधान प्रतिनिधि के शिकायती पत्र पर एसडीएम सुधीर कुमार ने अपने अधीनस्थों को मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का निर्देश दिया। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि आने वाली बारिश में जल निकासी न होने की वजह से काफी समस्या का सामना करना पड़ेगा। यदि प्रशासन तीन दिन के अंदर अतिक्रमण को नही हटवाया तो हम लोग तहसील में धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे।

महानगर में डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर चौराहा बनाने की पहल

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी महानगर इकाई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस 23 जून से उनकी जयंती 6 जुलाई तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सिविल लाइन स्थित पार्टी कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रवाद, एकात्मता और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने देश की अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। भाजपा कार्यकर्ता उनके विचारों और आदर्शों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है। महानगर मीडिया प्रमारी अमित कुमार मिश्र ने बताया कि 23 जून को बलिदान दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी बस अड्डा स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर स्वच्छता अभियान चलाएंगे तथा पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके अतिरिक्त महानगर सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। साथ ही महानगर के एक प्रमुख चौराहे का नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर किए जाने की भी योजना है। जिसके लिए चर्चा की जा रही है। महानगर के सभी बूथों पर पौधरोपण व स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

सभी विकास कार्यों को तय समय सीमा में पूर्ण करें निर्माण संस्थाएं - डा. बिजेंद्र सिंह

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति एवं समीक्षा रही। आगामी 27 एवं 28 जून को प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल परिसर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण करेंगी। इसमें प्रमुख रूप से विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में चल रहे विकास कार्यों में सरोवर, शैक्षिक भवनों में जलापूर्ति, विद्युत व्यवस्था, छात्रावासों के लिए सभी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति, पेयजल की सभी भवनों में उपलब्धता को सुनिश्चित करना है। बैठक में कुलपति ने सभी विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के लिए संबंधित निर्माणदायी संस्थाओं एवं अधिकारियों को निर्देशित किया। सभी विभागों की गहन साफ–सफाई की व्यवस्था को परखने के लिए कुलपति ने परिसर के कई भवनों का औचक निरीक्षण भी किया। बैठक में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णन्दु शुक्ल, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. सीके मिश्र, प्रो. आशुतोष सिन्हा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, प्रो अनूप कुमार, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. शैलेंद्र कुमार, प्रो सुरेन्द्र मिश्र, डॉ. विनोद कुमार चौधरी, डॉ. दिनेश कुमार सिंह के साथ विभागाध्यक्ष, समन्वयक, एवं पदाधिाकारी गण ऑनलाइन बैठक से जुड़े रहे।

किसानों ने ट्रैक्टरों के साथ कमिश्नरी पर किया प्रदर्शन, 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा

मेरठ(आरएनएस)। मेरठ में भारतीय किसान न्यूनियन (अराजनैतिक) के बैनर तले सोमवार को किसानों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष कालू प्रधान के नेतृत्व में सैकड़ों किसान ट्रैक्टर–ट्रॉलियों और अन्य वाहनों के साथ कमिश्नरी पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। कमिश्नरी से जब किसान एकत्रित होकर कलेक्ट्रेट के लिए निकले तो पुलिस ने उनको रोक लिया। इसके बाद किसान वहीं सड़क

नगर में जलभराव हुआ तो सफाई एजेंसी होगी जवाबदेह - गिरीशपति लिपाठी

अयोध्या। मानसून के महेनजर शहर को जलभराव से मुक्त रखने के उद्देश्य से नगर निगम ने नालों की सफाई अभियान में तेजी ला दी है। नगर निगम कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि बारिश के दौरान यदि किसी क्षेत्र में नालों की सफाई अधूरी रहने के कारण जलभराव की स्थिति उत्पन्न होती है तो उसके लिए संबंधित सफाई दल और जिम्मेदार एजेंसी को उत्तरदायी माना जाएगा।

नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के साथ नालों की प्रगति की समीक्षा करते हुए महापौर ने निर्देश दिए कि सभी प्रमुख नालों की सफाई एक सप्ताह के भीतर पूरी कर ली जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को जलभराव की समस्या से राहत दिलाना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। नगर आयुक्त ने निर्माण एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को प्रतिदिन नालों का स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जहां भी सफाई कार्य में लापरवाही पाई जाएगी, वहां संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा बैठक में बताया गया कि नगर निगम क्षेत्र में कुल 314 छोटे–बड़े नालों की सफाई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें 21 बड़े, 125 मझोले तथा 168 छोटे नाले शामिल हैं। अब तक 15 बड़े, 34 मझोले और 45 छोटे नालों सहित कुल 77 नालों की सफाई पूरी की जा चुकी है। वहीं सात बड़े 31 मझोले और 48 छोटे नालों सहित कुल 86 नालों में सफाई कार्य प्रगति पर है। इनकी कुल लंबाई लगभग 15. 540 किलोमीटर है। बैठक के दौरान मानस भवन नाले की सफाई में आ रही बाधाओं को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए गए।

अयोध्या में बनकर तैयार हुआ नर्सिंग कालेज

-स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय अयोध्या को भिला अत्याधुनिक नर्सिंग कॉलेज

—9.94 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ नर्सिंग कॉलेज भवन और छात्रावास

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज परिसर में अत्याधुनिक नर्सिंग कॉलेज भवन और छात्रावास का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। 9. 94 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुए इस आधुनिक परिसर के साथ अब अयोध्या में नर्सिंग शिक्षा को मजबूत आधार मिल गया है। केंद्रीय सहायित योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड, अयोध्या इकाई द्वारा यह परियोजना सफलतापूर्वक पूरी की गई। परियोजना में जी प्लस 1 मंजिला एकेडमिक ब्लॉक और जी प्लस 2 मंजिला हॉस्टल ब्लॉक का निर्माण शामिल था। 30 अगस्त 2024 को कार्य प्रारंभ होने के बाद 28 फरवरी 2026 को निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा कर लिया गया। वर्तमान में भवन का पूर्ण रूप से सौंपा जाना हो चुका है और भौतिक प्रगति 100 प्रतिशत दर्ज की गई है। इस नर्सिंग कॉलेज में आधुनिक कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, प्रशिक्षण सुविधाएं और छात्रावास का प्रावधान किया गया है, जो भविष्य के नर्सिंग पेशेवरों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आवासीय सुविधा उपलब्ध कराएगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा वित्तपोषित इस परियोजना से अयोध्या में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास को नई गति मिलेगी। इस आधुनिक नर्सिंग कॉलेज के शुरु होने से अयोध्या और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को नर्सिंग पेशे में करियर बनाने का बेहतर अवसर मिलेगा। साथ ही, राज्य के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए अयोध्या

एसएमसीआर व साकेत कालेज की बीच हुआ एमओयू

अयोध्या। उच्च शिक्षा, शोध एवं विस्तार गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सोसाइटी फॉर मेथेमेटिकल एंड कम्प्यूटेशनल रिसर्च (एसएमसीआर) व के.एस. साकेत पी.जी. कॉलेज, अयोध्या के मध् य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर के.एस. साकेत पी. जी. कॉलेज के प्राचार्य प्रो. दानपति तिवारी तथा एसएमसीआर के सचिव डॉ. प्रशान्त पांडेय ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर दोनों संस्थाओं के मध्य शैक्षणिक एवं शोध सहयोग को नई दिशा प्रदान की। दोनों प्रतिनिधि यों ने इस समझौते को उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।एमओयू का उद्देश्य शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के मध्य शैक्षणिक एवं शोध सहयोग को सुदृढ़ बनाना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (एनईपी–2020) एवं एन ए ए सी गुणवत्ता मानकों के अनुरूप संयुक्त गतिविधियों का आयोजन करना तथा शोध एवं नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना है। समझौते के अंतर्गत दोनों संस्थाएं संयुक्त रूप से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, व्याख्यानमालाओं, शोध परियोजनाओं तथा समाजोपयोगी विस्तार गतिविधियों का आयोजन करेंगी। इससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को ज्ञान, कौशल एवं अनुसंधान क्षमता के विकास के नए अवसर प्राप्त होंगे। प्राचार्य प्रो. दानपति तिवारी ने कहा कि यह सहयोग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा संस्थान में शोध वातावरण को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा। वहीं एसएमसीआर के सचिव डॉ. प्रशान्त पांडेय ने विश्वास व्यक्त किया कि यह साझेदारी गणित, कम्प्यूटेशनल विज्ञान एवं अंतर्विषयी शोध के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी। दोनों संस्थाओं ने आशा व्यक्त की कि यह एमओयू शिक्षा, अनुसंधान एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में दीर्घकालिक एवं प्रभावी सहयोग का आधार बनेगा। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिकारी डॉ रामलाल विश्वकर्मा, डॉ विपिन कुमार सिंह, डॉ रजत तिवारी सहित अन्य सम्मानीय प्राध्यापक उपस्थित रहे ।

ऊर्जा भवन मे उत्साहपूर्वक मनाया गया अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस

मेरठ(आरएनएस)। अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज डिस्कॉम मुख्यालय स्थित ऊर्जा भवन परिसर में विद्युत प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में, एक विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डिस्कॉम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सामूहिक योगाभ्यास किया।इस अवसर पर प्रबन्ध निदेशक श्री रवीश गुप्ता (आईएए0एस0) ने स्वयं योगाभ्यास कर, सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का प्रभावी माध्यम है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को तनावमुक्त रखने के साथ–साथ उसकी कार्यक्षमता एवं एकाग्रता में भी वृद्धि करता है। प्रबन्ध निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान व्यस्त जीवनशैली में, योग को दैनिक दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाना समय की आवश्यकता है। नियमित योगाभ्यास से ना केवल कार्यक्षमता में वृद्धि होती है बल्कि योग सकारात्मक सोच को भी प्रोत्साहित करता है।

उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से नियमित रूप से योग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान योग गुरु श्री दिलमणि थपलीयाल जी द्वारा विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया, उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे उत्साह एवं अनुशासन के साथ योगाभ्यास कर, स्वस्थ जीवन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।इस अवसर पर निगम के वरिष्ठ अधिकारी श्री एन०के० मिश्र, निदेशक (तकनीकी), श्री स्वतंत्र कुमार तोमर, निदेशक (वित्त) सहित श्री अमित रोहिला, महाप्रबंधक (लेखा), श्री अभीषेक श्रीवास्तव, अधीक्षण अभियन्ता (मुख्यालय), श्री आर्दश कौशल, अधीक्षण अभियन्ता, श्री हरि ओम अधिशासी अभियन्ता (मुख्यालय), श्री संजीव गुप्ता, अधिशासी अभियन्ता, श्री शिव कुमार उपखण्ड अधिकारी जानपद, श्री सुनील कुमार, अवर अभियन्ता (मुख्यालय), श्री विजेन्द्र कुमार अवर अभियन्ता (मुख्यालय), श्री जतन सिंह आदि उपस्थित रहे।

युवक की ईट से पीटकर हत्या - आर्मी एरिया ग्राउंड में लाश मिली, पास ही बाइक पड़ी थी

मेरठ(आरएनएस)। मेरठ में एक युवक की लाश मिली है। लाश के ऊपर ही उसकी बाइक भी पड़ी मिली है। माना जा रहा है कि युवक की ईट से पीटकर हत्या की गई। सोमवार सुबह आर्मी एरिया के मैदान में आते–जाते लोगों ने लाश पड़ी देखी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने लाश की पहचान कराई। मामला कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के कासमपुर के पास का है।लाश की पहचान कंकरखेड़ा के गोविंदपुरी के रहने वाले कुंवरपाल के पुत्र विपिन (36) के रूप में हुई है। घटनास्थल पर विपिन की बाइक भी मिली है। लग रहा है कि विपिन की ईट से पीटकर हत्या की गई है। उसके शरीर पर चोटों के निशान मिले हैं। पुलिस ने परिवार को सूचना दी है।

पेयजल समस्या के निराकरण को लेकर डीएम का विक्क एक्शन

चित्रकूट। पेयजल आपूर्ति न होने से परेशान लोगों ने सोमवार को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग को समस्या बताई। भीषण गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी ने इस मामले का त्वरित संज्ञान लेकर अधिकारियों की टीम को मौके पर भेजा। डीएम के आदेश का असर इतना जोरदार रहा कि शिकायतकर्ता के घर पहुंचने से पहले ही मौके पर अधिकारी पहुंच गए। साथ ही समस्या का त्वरित निदान कराने की बात कही।

जनसमस्याओं के निराकरण को लेकर बेहद सक्रिय रहने वाले डीएम पुलकित गर्ग की कार्यशैली ने एक बार फिर समस्याग्रस्त लोगों को उनका मुरीद बना दिया। हुआ यूं कि सदर तहसील के टेंटिया पुरवा अमानपुर निवासी अखिलेश कुमार समेत कई लोगों

ने सोमवार को कलेक्टरेट पहुंचकर डीएम पुलकित गर्ग को अपना दु:खड़ा सुनाया। शिकायतकर्ता ने बताया कि मोहल्ले में भीषण पेयजल समस्या बनी हुई है। लोग दूर से पानी लाने को मजबूर है। हालांकि पाइपलाइन बिछाई गई है, लेकिन लीकेज होने के कारण पेयजल आपूर्ति बंद कर दी गई है। इसके अलावा जल जीवन मिशन की पाइपलाइन भी बिछाई गई है, किंतु मोहल्लेवासियों को अब तक न तो कनेक्शन दिए गए है और न ही इस पाइपलाइन में पेयजल आपूर्ति हो रही है। ऐसे में मोहल्लेवासियों की पेयजल समस्या का निराकरण कराया जाना चाहिए, जिससे लोगों के घरों तक पानी पहुंच सके। डीएम ने पूरे मामले को सुनने के बाद इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल

अपर जिलाधिकारी स्वप्निल यादव को जल निगम, जल संस्थान और नगर पालिका की टीम के साथ मौके पर भेज दिया। इस दौरान जब शिकायतकर्ता अपने घर पहुंचे, तो विभागीय अधिकारियों के साथ अपर जिलाधिकारी भी उन्हें मौके पर मौजूद मिले। मोहल्लेवासियों अवधेश, श्रीपाल, राकेश, पुरुषोत्तम, राजेश, रामेन्द्र, माता प्रसाद, लालमन, देवदत्त आदि ग्रामीणों ने जिलािाकारी की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि अब उन लोगों को उम्मीद है कि मोहल्ले में जल्द ही पेयजल व्यवस्था ठीक हो जाएगी। इस दौरान अपर जिलाधिाकारी ने कहा कि पाइपलाइन की लीकेज ठीक कराकर जल्द से जल्द पेयजल आपूर्ति शुरू करने के निर्देश विभागीय अधिाकारियों को दिए गए है।

शासन के निर्देशों के नियमों के उल्लंघन के मामलों में जारी रहेगी कार्रवाई : एसडीएम

- बिना वैध अभिलेख परिवहन कर रहे ट्रक को पकड़ा, मचा हड़कंप

चित्रकूट। जिले में अवैध परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कर्फी के उपजिलाधिाकारी अजय कुमार यादव ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए बिना वैध अभिलेखों के माल का परिवहन कर रहे एक ट्रक को पकड़ लिया। एसडीएम की इस कार्रवाई से परिवहन कारोबारियों और वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, एसडीएम अजय कुमार यादव क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें एक ट्रक संदिग्ध अवस्था में गुजरता दिखाई दिया। संदेह होने पर उन्होंने को रुकवाकर उसके दस्तावेजों की जांच कराई। जांच के दौरान चालक वाहन में लदे माल से संबंधित आवश्यक अभिलेख और वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। दस्तावेजों में अनियमितता पाए जाने पर एसडीएम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद चौकी पुलिस लाइन के सुपुर्द कर आगे की जांच शुरू करा दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम अजय कुमार यादव ने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुरूप अवैध परिवहन, कर चोरी और नियमों के उल्लंघन के मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। किसी भी व्यक्ति को नियमों की अनदेखी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई को अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रस्तावित एयेनश्ल फैक्ट्री के विरोध में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

बस्ती। भानपुर तहसील अंतर्गत ग्राम दसिया में प्रस्तावित एथेनॉल फैक्ट्री के निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर निर्माण कार्य तत्काल रोकने तथा परियोजना के पर्यावरणीय एवं सामाजिक प्रभावों की निष्पक्ष जांच कराने के पर्यावरणीय एवं सामाजिक प्रभावों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। सतिराम चौधरी, आशाराम चौधारी और रामविलास चौधारी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को दिए गए ज्ञापन में बताया कि ग्राम दसिया, थाना रुध गौली, तहसील भानपुर में एथेनॉल फैक्ट्री का निर्माण कार्य चल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्ट्री के आसपास लगभग 14–15 गांव स्थित हैं तथा करीब 200 मीटर की दूरी पर दो सरकारी विद्यालय भी मौजूद हैं, जिससे बड़ी आबादी सीधे तौर पर प्रभावित हो सकती

है। सरदार सेना के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल और जिला अध्यक्ष विनय चौधरी ने कहा कि ज्ञापन में उठाई गई मांगों को तत्काल पूरा किया जाए और फैक्ट्री का कार्य रुकवाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने किसानों और ग्रामीणों की जिताओं को गंभीरता से नहीं लिया तो वे किसानों के साथ मिलकर आंदोलन करने को बाध्य होंगे। ज्ञापन में कहा गया है कि एथेनॉल उत्पादन में अत्यधिक मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है, जबकि क्षेत्र में पहले से ही भूजल स्तर लगातार गिर रहा है। ऐसे में फैक्ट्री के संचालन से भूजल का अत्यधिक दोहन होगा, जिससे किसानों, ग्रामीणों और पशुओं के लिए पेयजल एवं सिंचाई जल का गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही फैक्ट्री से निकलने वाले अपशिष्ट एवं प्रदूषण से पर्यावरण, कृषि भूमि, जल स्रोतों तथा ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका भी जताई गई है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना को लेकर स्थानीय लोगों के बीच कोई समुचित जनसुनवाई नहीं कराई गई है और न ही पर्यावरण प्रभाव आकलन (म्ः) की जानकारी सार्वजनिक की गई है। उन्होंने निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच तथा पर्यावरणीय एवं सामाजिक प्रभावों का विस्तृत आकलन कराने की मांग की है। साथ ही जांच पूरी होने तक किसी भी प्रकार की निर्माण अथवा संचालन संबंधी अनुमति पर रोक लगाने की भी मांग की गई है।

बांसी नदी के तट पर गुंजा योग का संदेश, स्वच्छता और वृक्षारोपण से पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

कुशीनगर, (आरएनएस)। लोक आस्था से जुड़े जनपद की प्रमुख सहायक नदी बांसी घाट के तट पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला गंगा समिति कुशीनगर, नमामि गंगे के तत्वावधान में वन क्षेत्र पड़रौना रेंज स्थित बांसी नदी घाट पर आयोजित कार्यक्रम में योग के साथ स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया। पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। राज्य स्वच्छ गंगा मिशन–उत्तर प्रदेश के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में प्रात:काल योगाभ्यास कराया गया। योग प्रशिक्षक संतोष त्रिपाठी ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनो एवं प्रणायाम का अभ्यास कराते हुए उनके स्वास्थ्य लाभों के ज्ञानकारी दी। कार्यक्रम में युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों एवं

स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। क्षेत्रीय वन अधिाकारी पड़रौना अशोक कुमार यादव ने कहा कि योग व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का सबसे सरल माध्यम है। योग और प्रकृति का संबंध अत्यंत गहरा है। स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाना आवश्यक है। जिला परियोजना अधिकारी, जिला गंगा समिति कुशीनगर (नमामि गंगे) नम्रता भट्ट ने कहा कि योग दिवस के अवसर पर नदी घाटों पर कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के साथ–साथ नदी संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि जन सह भागिता से ही स्वच्छ एवं अविरल नदियों का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। योग प्रशिक्षक आदित्य दूबे ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास हो सके। योग प्रशिक्षक संतोष त्रिपाठी ने

कहा कि योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है तथा जीवन को अधिक संतुलित और स्वस्थ बनाया जा सकता है। योग कार्यक्रम के पूर्व बांसी नदी घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। उपस्थित लोगों ने नदी तट से कूड़ा–कचरा हटाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से वृक्षारोपण के अंतर्गत पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान कीर्ति लाल बिंदुओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने का लक्षित बिंदुओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निश्चित किए गए। जिलाधिाकारी ने स्कूल चलो अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि कोई भी पात्र बच्चा विद्यालय से वंचित न रहे। उन्होंने नवगठित बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि एबीएसए के साथ समन्वय स्थापित करते हुए नवीन नामांकन में और अधिक वृद्धि सुनिश्चित

आनदेश्वरम् संगीत अकादमी का 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

चित्रकूट। जिला मुख्यालय स्थित आनंदेश्वरम् संगीत अकादमी द्वारा आयोजित 21 दिवसीय संगीत प्रशिक्षण शिविर–2026 का भव्य समापन समारोह अकादमी परिसर में आयोजित किया गया। मात्र 21 दिनों की संगीत साधना और बच्चों ने मंच पर ऐसा जलवा बिखेरा कि उपस्थित दर्शक दंग रह गए। तबला, गायन, नृत्य, चित्रकला, बांसुरी एवं गिटार में बच्चों ने जो प्रस्तुतियां दीं, उनमें लय–ताल का ज्ञान और आत्मविश्वास देखते ही बनता था। समारोह में महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय के संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक फडनीश ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए नियमित रियाज पर जोर दिया। सहायक प्राध्यापक डॉ. दादूराम श्रीवास, दिव्यांग विश्वविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. संघ या पाण्डेय तथा पीएचडी स्कॉलर रोहन पंडित ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन किया और संगीत को जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह दी। अकादमी के निदेशक विनय कुमार पाण्डेय ने कहा कि यह सफलता बच्चों की लगन, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने घोषणा की कि अगला शीतकालीन प्रशिक्षण शिविर आगामी 26 दिसंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़े मंच व नई विधाओं को शामिल किया जाएगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में अभिभावक व संगीत प्रेमी मौजूद रहे।

बाल श्रम उन्मूलन के लिए 31 अगस्त तक चलेगा विशेष अभियान

चित्रकूट। जनपद को बाल श्रम मुक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के निर्देश पर एक जून से 31 अगस्त तक जिला टास्क फोर्स के सहयोग से बाल एवं किशोर श्रमिकों के चिह्नकन, अवमुक्तिकरण व पुनर्वास के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत सीडीओ डी.पी. पाल ने सभी संबंधित विभागों को हॉटस्पॉट क्षेत्रों में अभियान चलाने, जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा आयु परीक्षण के बाद बाल श्रम की श्रेणी में आने वाले प्रकरणों में विधिाक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।सहायक भ्राम्युक आर.के. गुप्ता ने बताया कि भारत में 14 वर्ष तक बाल श्रम पूर्णतः वर्जित है, जबकि 14 से 18 वर्ष के किशोरों को निर्धारित नियमों व शर्तों पर ही गैर–खतरनाक प्रतिष्ठानों में काम की अनुमति है। खतरनाक श्रेणी में बाल श्रमिक नियोजित पाए जाने पर नियोक्ता को 6 माह से 2 वर्ष तक कारावास या 20,000 से 50,000 रुपये तक अर्थदंड अथवा दोनों का प्राक्धान है।

बाइक की टक्कर से दादी की मौत, नाती घायल

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र के मैदाना गांव में रविवार रात तेज रतार बाइक की टक्कर से फूलमती निषाद (65) की मौत हो गई। जबकि पांच वर्षीय पौत्र ,ष्णा घायल हो गया। बेटे उदल प्रसाद ने बताया कि मां फूलमती रविवार को घर आई थीं। रात करीब दस बजे वह पौत्र ,ष्णा को लेकर बगल में रहने वाले छोटे बेटे पंचम के घर पैदल जा रही थीं। तभी सामने से आई तेज रतार बाइक ने टक्कर मार दी। बाइक में साड़ी फंस्नेने से फूलमती दूर तक घिसटती चली गई और पत्थर से टकराकर सिर में गंभीर चोट लग गई। ,ष्णा भी छिटककर गिरा और सिर में चोट आई। हादसे में बाइक सवार दो युवक भी घायल हुए। चीख सुनकर परिजन बाहर आए और दोनों को सीएचसी मऊ ले गए। जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। रास्ते में फूलमती ने दम तोड़ दिया। ,ष्णा का इलाज चल रहा है। ग्रामीणों ने दोनों बाइक सवारों को पकड़कर बाइक समेत यूपी–112 को सौंप दिया। थाना प्रभारी श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि सोमवार को महिला का पोस्टमार्टम कराया गया है।

भरत भूषण तिवारी की मौत से रोष: मेधा ने किया दोषी पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज कराने, पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग

बस्ती। सोमवार को मेधा पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीनदयाल तिवारी के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने बिहार के भोजपुर निवासी भरत भूषण तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ में हुई मौत के विरोध में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि मामले की उच्च स्तरीय जांच के साथ ही दोषी पुलिस कर्मियों पर मुकदमा दर्ज कर पीड़ित परिवार को सरकार द्वारा 5 करोड़ का मुआवजा दिया जाय। मेधा के इस प्रदर्शन को कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय उच्चतम न्यायालय के किसी समर्थन दिया।ज्ञापन देने के बाद प्रवक्ता दीनदयाल तिवारी ने कहा कि भरत भूषण तिवारी की पुलिस द्वारा निर्मम हत्या की गई है, जो दुर्भाग्यपूर्ण और जघन्य अपराध है। इस प्रकार की घटनायें लोकतंत्र और कानून व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। कहा कि पुलिस की ऐसी कार्रवाई कानून पर हमला है और न्यायालयों की व्यवस्था का भी अपमान है।मेधा ने राष्ट्रपति से मांग किया है कि भरत भूषण तिवारी की मौत की निष्पक्ष जांच उच्चतम न्यायालय के किसी

अवकाश प्राप्त न्यायाधीश से कराई जाए। मेधा ने मांग किया कि भरत भूषण तिवारी की मौत का विरोध रहे परिजनों, विभिन्न संगठनों के लोगों के विरूद्ध दर्ज फर्जी मुकदमों को तत्काल वापस लेकर उत्पीड़न बंद कराया जाय। ज्ञापन देने के दौरान मुख्य रूप से रूद्र आदर्श पाण्डेय, वृजेश द्विवेदी, उमेश पाण्डेय ‘मुन्ना’, राहुल तिवारी, अंशू चौसरिया, राजेश चौधरी, गिरीश चन्द्र, नागेश मिश्र, संजय प्रधान, अवधेश मिश्र, शास्त्री, डी.सी. दूबे के साथ ही अनेक लोग शामिल रहे।

छेड़खानी की शिकायत पर कार्रवाई न होने का आरोप, एसपी से लगाई गुहार

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर गांव के युवक पर नाबालिग लड़की के साथ छेड़खानी, मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता शिवसहाय ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके रिश्तेदार की 15 वर्षीय बेटी कुछ दिनों से उनके घर रह रही है और कभी–कभी उनकी किराना दुकान पर बैठ जाती है। आरोप है कि गांव का ही अब्दुल रहमान पिछले कुछ समय से किशोरी के साथ छेड़खानी कर रहा था। डर के कारण किशोरी ने पहले किसी को इसकी जानकारी नहीं दी। 20 जून को उसने परिजनों को घटना के बारे में बताया। इसके बाद शिकायतकर्ता ने आरोपी युवक को बुलाकर समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि उसने गांी–गलोंज, हाथापाई और जान से मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ता का कहना है कि स्थानीय पुलिस से शिकायत करने के बावजूद भी अब्दुल रहमान पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, बल्कि उनके खिलाफ ही मुकदमा दर्ज कर लिया गया। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की योजनाओं की गहन समीक्षा बैठक संपन्न।

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिलाधिाकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध् यक्षता में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति, जिला शिक्षा परियोजना समिति एवं जिला शिक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने शिक्षा की गुणवत्ता, छात्र नामांकन, आधारभूत सुविधाओं एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किया। बैठक में सर्वप्रथम विगत बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को लंबित बिंदुओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निश्चित किए गए। जिलाधिाकारी ने स्कूल चलो अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि कोई भी पात्र बच्चा विद्यालय से वंचित न रहे। उन्होंने नवगठित बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि एबीएसए के साथ समन्वय स्थापित करते हुए नवीन नामांकन में और अधिक वृद्धि सुनिश्चित की जाए। नामांकन अभियान को जनसहभागिता के माध्यम से और प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया गया। बैठक में आरटीई (शिक्षा का अधिकार अधिनियम) के अंतर्गत नामांकन की स्थिति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन विद्यालयों में निर्धारित संख्या के अनुसूच प्रवेश नहीं दिए गए हैं, उनके संबंध में कारण सहित आख्या प्रस्तुत की जाए। जनपद के सभी बड़े निजी विद्यालयों में आरटीई के तहत अपेक्षित एवं वार्षतिक नामांकन की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई की जाए तथा जिन विद्यालयों द्वारा निािरित प्रावधानों का अनुपालन नहीं किया गया है। उन्हें नॉटिस जारी किया जाए।जिलाधिकारी ने बालवाटिका संचालन, निपुण भारत मिशन एवं निपुण मूल्यांकन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए शिक्षण गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाने तथा आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान के लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों के नियमित निरीक्षण एवं शैक्षणिक अनुश्रवण को और प्रभावी बनाने

बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर के लिए करें आवेदन

चित्रकूट। उप .षि निदेशक जेएल गुप्ता ने बताया कि .षि विभाग से संचालित नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026–27 में भारत सरकार द्वारा प्रदेश के प्रत्येक जनपद में एक बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर चयन करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। प्राकृतिक साधनों को सफलतापूर्वक अपनाने के लिए पशु और पौधों पर आधारित प्रा.तिक संसोधानों की तैयारी के लिए पशुधन और पौधों तक पहुंच महत्वपूर्ण है। इसलिए स्थानीय स्तर पर उद्यम मॉडल में एनएफ इनपुट के उत्पादन और आपूर्ति के लिए बीआरसी (बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर) स्थापित करने और प्रा.तिक खेती (एनएफ) अपनाने के इच्छुक किसानों और जो स्वयं इन्हे तैयार करने की स्थिति में नहीं है उन्हें सहायत प्रदान करने का प्रस्ताव है। ग्राम पंचायत गौशालाओं, एनएफ किसानों, एफपीओ, एसएचजी, पैक्स सहकारी समितियों, स्थानीय ग्रामीण उद्यमी आदि द्वारा संचालित किया जायेगा। इसके संचालन के लिए योजनान्तर्गत एक लाख धनराशि की सहायता राशि का प्राविधान है।इच्छुक .षकों एए संस्था जो कि प्रा.तिक संसाधनों को अपनाने के लिए पशुधन और पौधों पर आधारित प्रा.तिक संसाधनों की स्थानीय स्तर पर उद्यम मॉडल में एनएफ इनपुट के उत्पादन और आपूर्ति के लिए बीआरसी स्थापित है वह भी अपना आवेदन बायो इनपुट रिसोर्स से तैयार किये गये इनपुट्स के फोटोग्राफ सहित 27 जून तक उप .षि निदेशक कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें। ताकि जनपद स्तर पर गठित समिति से चयन करार कार्यक्रम को संचालित किया जा सके।

जनपद में 1 से 31 जुलाई तक चलेगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

-सीडीओ ने बैठक कर विभागीय अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान को संपन्न कराने के लिए बैठक विकास भवन के सभागार में संपन्न हुई। विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के द्वितीय चरण का आयोजन जनपद मे 1 से 31 जुलाई एवं दस्तक अभियान 11 से 31 जुलाई तक किया जाना प्रस्तावित है। बैठक में सीडीओ ने समस्त संबंधित विभागों को शासन द्वारा प्राप्त गाइड लाइन के अनुसार समस्त गतिविधियां ससमय कराने के लिए निर्देश दिये गये। सीएमओ डा महेन्द्र त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि अभियान के दौरान संचारी रोगों की रोकथाम हेतु समस्त संबंधित विभागो द्वारा आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, पशुपालको का संवेदीकरण आदि कार्य किये जायेंगे। जिला मलेरिया अधिकारी आरके सिंह द्वारा बताया गया कि दस्तक अभियान के अन्तर्गत आशा व आंगनबाडी कार्यकत्रियों द्वारा घर–घर भ्रमण कर व भ्रमण के दौरान क्षय रोग के लक्षणयुक्त व्यक्तियों, कुपोषित बच्चों आदि की जानकारीयां एकत्र करेंगी साथ ही घर के प्रत्येक सदस्यों की आभा आईडी बनाने का कार्य भी किया जायेगा।

ग्राम पंचायतो में कराए गए तीन वर्ष के कार्यों की होगी जांच

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता एवं सीडीओ डीपी पाल की उपस्थिति में बैठक कर जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए गए कि विगत तीन वर्षों में जिन ग्राम पंचायतों में राज्य वित्त आयोग एवं 15वां वित्त आयोग की धनराशि का सबसे अधिक भुगतान हुआ है उनके कार्यों की टीम गठित कर निरीक्षण कराया जाए। सर्वाधिक भुगतान वाली ग्राम पंचायतों का मुख्य विकास अधिकारी भी निरीक्षण करेंगे। टीमें निरीक्षण में कराए गए कार्य, अभिलेखों का रखरखाव, टेंडर प्रक्रिया एवं केदेदार कौन है सब देखेंगे। इसके साथ ही ग्राम पंचायत में आरआरसी एवं ई–रिक्सा संचालक की स्थिति भी देखेंगे। प्राथमिक, उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कायाकल्प के कार्यों का सत्यापन सहायक विकास अधिकारी एवं खण्ड विकास अधिाकारी से कराया जाएगा। जिन ग्राम पंचायतों में कमियां पायी जाएगी उनके सचिवों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

पिकअप की टक्कर से नवोदय के छात्र की मौत

चित्रकूट। भरतकूप थाना क्षेत्र के घुरेदनपुर गांव के पास रविवार शाम पिकअप की टक्कर से दीपक पटेल (15) की मौत हो गई। दीपक जवाहर नवोदय विद्यालय मानिकपुर में कक्षा दस का छात्र था। दादा कल्लू पटेल ने बताया कि शाम को घर में खाना बन रहा था। सब्जी न होने पर दीपक जिद कर बाइक से बाजार निकल गया। मुख्य मार्ग पर तेज रतार पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी। बाइक पिकअप के अगले हिस्से में फंसकर घिसटती चली गई। ग्रामीणों के आने पर चालक पिकअप लेकर भाग गया। घायल को सीएचसी शिवरामपुर ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दीपक दो भाई–बहन में इकलौता था। एक बहन की बचपन में बीमारी से मौत हो चुकी है। पिता मजदूरी करते हैं। दीपक ने इसी साल कक्षा नौ पास कर दसवीं में प्रवेश लिया था। विद्यालय में छुट्टी होने से वह गांव आया था। घटना के बाद मां नृथनिया देवी रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने पिकअप चालक की तलाश शुरू कर दी है।

शादी समारोह से लौटे युवक ने लगाई फांसी

–सर्दियों में होनी थी शादी

चित्रकूट। सरर कोतवाली के कालूपुर पाही गांव में रविवार रात छोटा उर्फ नागेंद्र कोठार्य (24) ने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। भाई धनराज के मुताबिक परिवार में बुआ की बेटी की शादी में चकला गांव गया था। शाम को नागेंद्र दोस्तों के साथ कर्वी से बर्फ लाने गया था। वहां से कपड़े बदलने की बात कहकर घर की चाबी लेकर अकेले लौट आया। पड़ोसी नत्थू ने घर का दरवाजा खुला देखा तो अंदर जाकर नागेंद्र को फंदे पर लटका पाया। परिजन तुरंत जिला अस्पताल ले गए, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। कोतवाल दुर्गविजय सिंह ने बताया कि सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। नागेंद्र दो भाई, दो बहन में सबसे छोटा था। पिता हरि प्रसाद की दो साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। वह कभी कभार सूरत–पंजाब जाकर मजदूरी करता था। परिवार ने इसी साल उसकी शादी तय की थी। सर्दियों में विवाह होना था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आईपीएल स्‍टार सूर्याश शेडगे को बड़ा इनाम, नितीश कुमार रेड्डी की जगह टीम इंडिया में एं्री

भारतीय टी20 टीम में एक बड़े बदलाव के तहत, चोटिल नितीश कुमार रेड्डी की जगह मुंबई के ऑलराउंडर सूर्याश शेडगे को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20आई सीरीज के लिए चुना गया है। शेडगे ने हाल ही में इंडिया ए के लिए और आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे उन्हें यह महत्वपूर्ण अवसर मिला है। भारत ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली ७20८ सीरीज के लिए नीतीश कुमार रेड्डी की जगह मुंबई के ऑलराउंडर सूर्याश शेडगे को टीम में शामिल किया है। 23 साल के शेडगे आयरलैंड में होने वाली दो मैचों की बहुप्रतीक्षित ७20८ सीरीज के लिए टीम से जुड़ेंगे। इसके बाद जून और जुलाई में इंग्लैंड में पांच मैचों की ७20८ सीरीज खेली जाएगी। इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स का अहम हिस्सा रहे शेडगे को यह मौका डाम्बुला में हाल ही में खत्म हुई ट्राई-सीरीज में इंडिया । के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद मिला है। मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करते हुए, 23 साल के



इस खिलाड़ी ने पांच मैचों में 147 रन बनाए और टूर्नामेंट के दौरान 23 ओवर बॉलिंग करके टीम में योगदान भी दिया। उन्होंने मुश्किल हालात में टीम के लिए अहम योगदान दिया और दिखाया कि वे बड़े शॉट लगाने और मुश्किल स्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने की काबिलियत रखते हैं। हालांकि शुरुआत में हार्दिक पांड्या की जगह नीतीश कुमार रेड्डी को चुना गया था, लेकिन अफगानिस्तान के खलिफा हाल ही में हुई वनडे सीरीज में लगी चोट के कारण हैदराबाद के इस ऑलराउंडर को बाहर होना पड़ा है।ठब्ब ने बताया कि 20 जून को अफगानिस्तान के

खट्‍लिफा तीसरे वनडे के बाद नीतीश ने अपनी बाईं जांघ में तकलीफ की शिकायत की। मेडिकल जांच के बाद, ठब्ब की मेडिकल टीम ने उन्‍हें रिहैबिलिटेशन (ठीक होने की प्रक्रिया) से गुजरने की सलाह दी है, जिसके कारण वह दोनों ७20८ सीरीज से बाहर हो गए हैं। शेडगे श्रेयस अय्‍यर के साथ जुड़ेंगे, जिन्होंने सूर्यकुमार यादव की जगह भारत के ७20८ कप्तान के तौर पर कमान संभाली है। उन्‍हें अपने प्‍क्‍ कप्तान की अगुवाई में खेलने का फायदा भी मिलेगा, क्योंकि अय्‍यर पंजाब किंग्स के भी कप्तान हैं।

टीम इंडिया में चयन पर भावुक हुए वैभव सूर्यवंशी , बोले- आज मेरा सपना पूरा हो गया

बिहार के 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का भारतीय टी20 टीम में चयन हो गया है, जिसे उन्होंने अपने करियर का सबसे बड़ा कदम बताया। आईपीएल में अपने विस्फोटक प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनाने वाले सूर्यवंशी, आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर सचिन तेंदुलकर का सबसे युवा पदार्पण का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि भारतीय टी20 टीम में चयन होना उनके कैरियर का सबसे बड़ा कदम है और उनके पास अपने जज्बात बयां करने के लिये शब्द नहीं हैं। पंद्रह वर्ष के सूर्यवंशी को 26 जून से शुरु हो रहे आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे के लिये भारतीय टीम में चुना गया है। उन्होंने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिये खेलते हुए 230 से ऊपर के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाये। सूर्यवंशी ने बीसीसीआई द्वारा सोशल मीडिया पर डाले गए संक्षिप्त वीडियो में कहा ,“ शब्दों में



बयां नहीं कर सकता। मैंने इसी के लिये पहले दिन बल्ला उठाया था और अभ्यास के लिये क्रिकेट के मैदान पर उतरा था। वह सपना आज पूरा हो गया है।” उन्होंने कहा ,“ यह मेरे सफर का सबसे बड़ा कदम है। मैं इन भावनाओं को शब्दों में अभिव्यक्त नहीं कर सकता।”

मोहम्मद कैफ ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य पर दिया बड़ा बयान, फिटनेस और जुनून को बताया अहम

भारतीय क्रिकेट टीम आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए पूरी तरह तैयार है, जहाँ दोनों टीमों के बीच पाँच ७20८ और तीन व्क मैचों की रोमांचक सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज को 2027 में होने वाले आगामी वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों के शुरुआती कदम के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय क्रिकेट टीम आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए पूरी तरह तैयार है, जहाँ दोनों टीमों के बीच पाँच ७20८ और तीन व्क मैचों की रोमांचक सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज को 2027 में होने वाले आगामी वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों के शुरुआती कदम के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे में क्रिकेट गलियारों में सबसे बड़ा सवाल यही तैर रहा है कि क्या भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजकू रोहित शर्मा और विराट कोहलीकू 2027 वर्ल्ड कप में खेलते नजर आएंगे? इस विषय पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने खुलकर बात की है और दोनों सीनियर खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर अपनी मजबूत राय साझा की

है।[भैं रोहित और विराट की गारंटी ले सकता हूँ – मोहम्मद कैफ रोहित शर्मा और विराट कोहली अपने शानदार करियर के आखिरी



पड़ाव पर हैं, जिससे उनके भविष्य को लेकर लगातार चर्चाएं होती रहती हैं। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने इन चर्चाओं पर विराम लगाते हुए अपने त्वनज्मड चैनल पर दोनों दिग्गजों का पुरजोर समर्थन किया।कैफ ने कहाकू षैं विराट कोहली और रोहित शर्मा की गारंटी ले सकता हूँ। रोहित अपनी फिटनेस पर लगातार काम कर रहे हैं, वह खुद को (वर्ल्ड

कप के लिए) तैयार करेंगे और किसी न किसी तरह खेलने में कामयाब रहेंगे। चोट तो किसी को भी लग सकती है, यहाँ तक

कि युवा खिलाड़ियों को भी।रोहित की बल्लेबाजी शैली में आए हालािया बदलाव की तारीफ करते हुए कैफ ने आगे कहा, छ्सनमें वह जुनून है और उनकी बल्लेबाजी में वह तेवर साफ दिखता है। एक कप्तान और एक आम खिलाड़ी के तौर पर उनकी बल्लेबाजी अब बहुत अलग होती है। उनका खेलने का तरीका बदल गया है और वह अब हर गेंद पर सिर्फ

आक्रामक शॉट नहीं खेलते, बल्कि परिस्थिति के अनुसार बल्लेबाजी करते हैं।[भारत 1 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज शुरू करेंगाभारतीय टीम की बात करें तो टीम जल्द ही आयरलैंड और इंग्लैंड का दौरा करेगी और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी। आयरलैंड के खिलाफ दो ७20८ मैचों के बाद, श्मेन इन ब्लूए इंग्लैंड के खिलाफ पांच ७20८ और तीन व्क मैच खेलेंगे। व्क मैच क्रमश: 14, 16 और 19 जुलाई को बर्मिंघम, कार्डिफ और लंदन में खेले जाएंगे। 2027 में होने वाले व्क वर्ल्ड कप को देखते हुए, भारतीय टीम अगले साल होने वाले इस बड़े टूर्नामेंट की तैयारी के साथ-साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद करेगी। दिलचस्प बात यह है कि व्क सीरीज से पहले, भारत और इंग्लैंड पांच ७20८ मैचों में भी एक-दूसरे का सामना करेंगे। ७20८ मैचों में वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा और हाल ही में कप्तान बनाए गए श्रेयस अय्थर जैसे खिलाड़ी भी शामिल होंगे।

आईपीएल के एक बड़े ट्रेड में, ऋषभ पंत ६27 करोड़ से घटकर ६15 करोड़ की सैलरी पर लखनऊ सुपर जायंट्स से दिल्ली कैपिटल्स में लौटे हैं। खराब प्रदर्शन और कप्तानी छोड़ने के बाद हुआ यह कदम खिलाड़ी के मूल्य में महत्वपूर्ण बदलाव दर्शाता है। इस बीच, कुलदीप यादव ६13.50 करोड़ में रैक से जुड़ेंगे, जो दोनों टीमों की रणनीतिक जरूरतों को पूरा करेगा। ऋषभ पंत की प्क् सैलरी में काफी कटौती होगी क्योंकि लखनऊ सुपर जायंट्स के पूर्व कप्तान को 15 करोड़ रुपये की बदली हुई फीस पर दिल्ली कैपिटल्स में ट्रेड किया गया है। इसके बदले में, सुपर जायंट्स ने कुलदीप यादव को उनकी मौजूदा 13.50 करोड़ रुपये की फीस पर अपनी टीम में शामिल किया है। प्क् ने मंगलवार, 23 जून को एक मीडिया स्टेटमेंट की जरिए इसकी पुष्टि की। प्क् ने कहा कि लखनऊ सुपर जायंट्स के पूर्व कप्तान ऋषभ पंत दिल्ली

कैपिटल्स (क्) में वापसी करने के लिए तैयार हैं, जबकि कुलदीप यादव लखनऊ सुपर जायंट्स (रैक) से जुड़ेंगे। यह हाल के प्क् इतिहास के सबसे अहम प्लेयर ट्रेड्स में से एक है।इस ट्रेड की खबरें आने के बाद से ही ऐसा नतीजा आने की उम्मीद थी। पिछले दो सालों में प्क् में पंत का प्रदर्शन लगातार खराब रहा है। 2025 के मेगा ऑक्शन में रैक ने उन्हें 27 करोड़ रुपये में खरीदा था, जिससे वह लीग के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए थे। हालांकि, पिछले दो सीजन में 28 पारियों में उन्होंने सिर्फ तीन बार 50 से ज्यादा रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। प्क् 2025 में उन्होंने 24.45 की औसत और 133.16 के स्ट्राइक रेट से 269 रन बनाए।2026 में भी उनके प्रदर्शन में कोई खास सुधार नहीं हुआय उन्होंने 28.36 की औसत और 138.05 के स्ट्राइक रेट से 312 रन बनाए, जो पिछले सीजन से



थोड़ा बेहतर था। सीजन के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी, हालांकि कुछ खबरों में यह भी कहा गया कि उन्हें हटा दिया गया था। रैक फ्रेंचाइजी ने एक बयान में कहा कि लखनऊ सुपर जायंट्स औपचारिक रूप से यह घोषणा करना चाहती है कि ऋषभ पंत ने फ्रेंचाइजी के साथ अपनी कप्तानी की जिम्मेदारियों से मुक्त होने का अनुरोध किया है, और फ्रेंचाइजी ने तत्काल प्रभाव से इस अनुरोध

करते हुए एक बार पूछा था कि उनका स्पिन-साथी कहाँ है। दिल्ली की स्पिन-फ्रेंडली पिच पर कुलदीप के तीन ओवर में बिना किसी विकेट के 34 रन देने के बाद अक्षर ने कहा था, जब हम गेंदबाजी कर रहे थे, तो मुझे अपने साथी कुलदीप की कमी खली। इस ट्रेड के बाद, कुलदीप को ६13.25 करोड़ में लेने के बाद रैक के पास 13.75 करोड़ बचे हैं।

टीम इंडिया को बड़ा झटका! आलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी यूके दौरे से बाहर, चोट बनी मुसीबत

भारत को बड़ा झटका लगा है क्योंकि ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी क्वाड्रिसेप्स में चोट के कारण यूके के आगामी सफेद गेंद दौरे से बाहर हो गए हैं। यह चोट हार्दिक पांड्या के संभावित विकल्प के रूप में उनकी भूमिका को प्रभावित करती है, जिससे आयरलैंड और इंग्लैंड दौरों के लिए टीम संयोजन पर सवाल उठ रहे हैं। भारत के लिए एक और झटका यह है कि ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी न्ज़ के आने वाले व्हाइट-बॉल दौरे से बाहर हो गए हैं। उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ व्क सीरीज के दौरान क्वाड्रिसेप्स में चोट लगी थी। उम्मीद थी कि रेड्डी हार्दिक पांड्या की जगह लेंगे, जो लगातार चोटों के कारण टीम से बाहर चल रहे हैं। मेडिकल बुलेटिन में कहा गया है कि नितीश कुमार रेड्डी आयरलैंड सीरीज से बाहर हो गए हैं। डत्प् से पता चला है कि उनके बाएं क्वाड्रिसेप्स में सूजन है और फाइबर में भी दिक्कत (टूट-फूट) आई है। उन्हें आगे की जांच के लिए व्क में रिपोर्ट करने को कहा गया है।रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नितीश को अपना रिहैबिलिटेशन पूरा करने



और इसमें और ज्यादा समय भी लग सकता है। इसका मतलब है कि वह आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे से बाहर हो गए हैं। अफगानिस्तान के खट्फिफा दूसरे वनडे से पहले नीतीश चोटिल हो गए थे और इस वजह से लखनऊ में होने वाला मैच नहीं खेल पाए थे। भारतीय टीम के लिए चिंता की बात यह थी कि कप्तान शुभमन गिल ने बताया कि इस ऑलराउंडर को अपनी क्वाड (जांघ की मांसपेशी) में कुछ दिक्कत थी। हालांकि, वह चेन्नई में तीसरे वनडे के लिए उपलब्ध थे और असिस्टेंट कोच रयान

टैन डोशेट ने भी इस बात पर

नतीश की जगह किसी और को चुना है। नितीश शायद पिछला मैच भी खेल सकते थे। लेकिन वह कल के मैच के लिए पूरी तरह तैयार रहेंगे। इसके बाद, वह तीसरे मैच के लिए प्लेइंग ग् में वापस आ गए।िक् के इस ऑलराउंडर को न्ज़ में होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए तीनों स्क्वाड में शामिल किया गया था। वह आयरलैंड टी 20 इंग्लैंड ७20८ और वनडे सीरीज के लिए नंबर 1 सीम बॉलिंग ऑलराउंडर थे। हालांकि, उनकी चोट भारत के लिए चिंता का विषय है। भारत ने अभी तक

एक तूफानी पारी ने तोड़ा भारत का विजय रय,दक्षिण अफ्रीका ने 6 विकेट से हराया

दक्षिण अफ्रीका ने महिला टी20 विश्व कप में भारत को हराकर बड़ा उलटफेर किया, जिसमें मारिजान कैप की मैच जिताऊ पारी और टीम का सबसे सफल रन चेज शामिल रहा। दूसरी ओर, वेस्टइंडीज ने श्रीलंका पर आसान जीत के साथ अपने समूह में दूसरा स्थान पक्का कर सेमीफाइनल में दाँड़ को और रोमांचक बना दिया है।महिला टी20 विश्व कप 2026 में रविवार का दिन बेहद रोमांचक रहा। एक तरफ दक्षिण अफ्रीका ने शानदार वापसी करते हुए भारत को छह विकेट से हराया, तो दूसरी ओर वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को पांच विकेट से मात देकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इन दोनों मुकाबलों के बाद सेमीफाइनल की दाँड़ और भी दिलचस्प हो गई है।मैनचेस्टर में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 158 रन

बनाए। शुरुआत काफी तेज रही और स्मृति मंधाना तथा शेफाली वर्मा ने पहले कुछ ओवरों में ही दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। हालांकि दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी ऑलराउंडर मारिजान कैप ने स्मृति मंधाना को आउट कर भारत को पहला झटका दिया।इसके बाद शबनिम इस्माइल ने शानदार लय में दिख रही शेफाली वर्मा को पवेलियन भेज दिया। शेफाली ने चार चौके और एक छक्का शामिल रहा। पावरप्ले में भारत ने दो विकेट पर 59 रन बना लिए थे, लेकिन इसके बाद टीम उस शुरुआत का पूरा फायदा नहीं उठा सकी।[ब्ता दें कि यह मुकाबला भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर के लिए खास था, क्योंकि उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का 200वां मैच खेला। हरमनप्रीत ने 24 रन बनाए, जबकि दीप्ति शर्मा ने 29 रन का उपयोगी

योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से मारिजान कैप और शबनिम इस्माइल ने दो-दो विकेट हासिल किए।1159 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारतीय गेंदबाज श्री चरणी ने पावरप्ले के आखिरी ओवर में दो विकेट लेकर विपक्षी टीम को मुश्किल में डाल दिया। एक समय दक्षिण अफ्रीका का स्कोर दो विकेट पर 25 रन था।ऐसे कठिन समय में मारिजान कैप ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने ताजमिन ब्रिट्स के साथ 97 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की और मैच का रुख बदल दिया। ब्रिट्स ने 40 रन बनाए, जबकि कैप ने नाबाद 81 रन की शानदार पारी खेली। उनकी इस पारी में चार लंबे छक्के शामिल रहे। आखिरी दो ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 18 रन चाहिए थे, लेकिन कैप ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को 19.

1 ओवर में जीत दिला दी। गौरतलब है कि यह महिला टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का सबसे बड़ा सफल रन पीछा करने का रिकॉर्ड भी बन गया है। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल की उम्मीदों को जीवित रखा है, जबकि भारत को टूर्नामेंट में पहली हार का सामना करना पड़ा है।वहीं ब्रिस्टल में खेले गए दूसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को पांच विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की टीम 99 रन ही बना सकी। हेली मैथ्यूज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटकें। उनके अलावा करिश्मा रामहारेक ने भी दो विकेट लिए।श्रीलंका की ओर से निलाक्षिका सिल्वा ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज ने लक्ष्य हासिल करने में कुछ संघर्ष ज़रूर किया, लेकिन स्टेफनी टेलर की नाबाद 27 रन की पारी ने टीम को जीत तक पहुंचा दिया। मौजूद जानकारी के अनुसार, वेस्टइंडीज अब लगातार तीन जीत के साथ अपने समूह में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना काफी मजबूत हो गई है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की जीत ने उसके अभियान में नई जान फूंक दी है। महिला टी20 विश्व कप अब निर्णायक दौर की ओर बढ़ रहा है और आने वाले मुकाबले सेमीफाइनल की तारीखें पूरी तरह साफ कर सकते हैं।

सरकारी प्रतिबंध हटा, गूगल पे स्टोर पर फिर लौटा टेलीग्राम एप पर इंतजार

नीट-यूजी पुनर्परीक्षा पेपर लीक रोकने के लिए लगाए गए अस्थायी सरकारी प्रतिबंध के समाप्त होने के बाद गूगल ने टेलीग्राम ऐप को प्ले स्टोर पर बहाल कर दिया है। हालांकि, साक्ष्यों के दुरुपयोग को रोकने के लिए टेलीग्राम को 30 जून तक भारत में संदेश संपादन सुविधा बंद रखने का निर्देश दिया गया है। बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने संदेश ऐप टेलीग्राम को अपने प्ले स्टोर पर मंगलवार सुबह बहाल कर दिया। सरकार का अस्थायी प्रतिबंध 22 जून को समाप्त होने के बाद उसने यह कदम उठाया है। गूगल द्वारा बहाली से पहले ही यह प्लेटफॉर्म कुछ मौजूदा उपयोगकर्ताओं के लिए चालू हो गया था। हालांकि, ऐप सुबह करीब 10 बजे तक एप्पल के ऐप स्टोर पर उपलब्ध नहीं था। इस संबंध में एप्पल को भेजे गए ईमेल का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला।सरकार ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) की पुनर्परीक्षा का पर्वा लीक होने से रोकने के उद्देश्य से गूगल और एप्पल को 22 जून तक टेलीग्राम ऐप को अपने ऐप स्टोर से हटाने के निर्देश दिए हैं। यह परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा देशभर के स्नातक चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है। एजेंसी ने तीन मई को हुई पिछली परीक्षा को प्रश्न पत्र लीक के आरोपों का बल रद्द कर दिया था। इसके अलावा, अलग निर्देश में टेलीग्राम से 30 जून तक भारत में पहले से भेजे गए संदेशों के संपादन की सुविधा बंद करने को कहा गया है ताकि प्रश्न पत्र लीक से जुड़े मामलों में साक्ष्यों के दुरुपयोग को रोक जा सके। प्रतिबंध लगाने से पहले तीन जून को सरकारी अधिकारियों ने टेलीग्राम के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी, जहां इन चिंताओं को उठाया गया था।नीट की पुनर्परीक्षा 21 जून को आयोजित की गई थी और अब तक किसी भी धोखाधड़ी की कोई खबर नहीं मिली है। ज़कूथ ने साथ ही आरोप लगाया कि रिलायंस समूह ने व्हाट्सऐप के साथ मिलकर भारत में ऐप पर प्रतिबंध के लिए शायद पैवैबी की है। मेटा प्लेटफॉर्मस की रिलायंस में आंशिक हिस्सेदारी है।

नीट-यूजी पुनर्परीक्षा पेपर लीक रोकने के लिए लगाए गए अस्थायी सरकारी प्रतिबंध के समाप्त होने के बाद गूगल ने टेलीग्राम ऐप को प्ले स्टोर पर बहाल कर दिया है। हालांकि, साक्ष्यों के दुरुपयोग को रोकने के लिए टेलीग्राम को 30 जून तक भारत में संदेश संपादन सुविधा बंद रखने का निर्देश दिया गया है। बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने संदेश ऐप टेलीग्राम को अपने प्ले स्टोर पर मंगलवार सुबह बहाल कर दिया। सरकार का अस्थायी प्रतिबंध 22 जून को समाप्त होने के बाद उसने यह कदम उठाया है। गूगल द्वारा बहाली से पहले ही यह प्लेटफॉर्म कुछ मौजूदा उपयोगकर्ताओं के लिए चालू हो गया था। हालांकि, ऐप सुबह करीब 10 बजे तक एप्पल के ऐप स्टोर पर उपलब्ध नहीं था। इस संबंध में एप्पल को भेजे गए ईमेल का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला।सरकार ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) की पुनर्परीक्षा का पर्वा लीक होने से रोकने के उद्देश्य से गूगल और एप्पल को 22 जून तक टेलीग्राम ऐप को अपने ऐप स्टोर से हटाने के निर्देश दिए हैं। यह परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा देशभर के स्नातक चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है। एजेंसी ने तीन मई को हुई पिछली परीक्षा को प्रश्न पत्र लीक के आरोपों का बल रद्द कर दिया था। इसके अलावा, अलग निर्देश में टेलीग्राम से 30 जून तक भारत में पहले से भेजे गए संदेशों के संपादन की सुविधा बंद करने को कहा गया है ताकि प्रश्न पत्र लीक से जुड़े मामलों में साक्ष्यों के दुरुपयोग को रोक जा सके। प्रतिबंध लगाने से पहले तीन जून को सरकारी अधिकारियों ने टेलीग्राम के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी, जहां इन चिंताओं को उठाया गया था।नीट की पुनर्परीक्षा 21 जून को आयोजित की गई थी और अब तक किसी भी धोखाधड़ी की कोई खबर नहीं मिली है। ज़कूथ ने साथ ही आरोप लगाया कि रिलायंस समूह ने व्हाट्सऐप के साथ मिलकर भारत में ऐप पर प्रतिबंध के लिए शायद पैवैबी की है। मेटा प्लेटफॉर्मस की रिलायंस में आंशिक हिस्सेदारी है।

नीट-यूजी पुनर्परीक्षा पेपर लीक रोकने के लिए लगाए गए अस्थायी सरकारी प्रतिबंध के समाप्त होने के बाद गूगल ने टेलीग्राम ऐप को प्ले स्टोर पर बहाल कर दिया है। हालांकि, साक्ष्यों के दुरुपयोग को रोकने के लिए टेलीग्राम को 30 जून तक भारत में संदेश संपादन सुविधा बंद रखने का निर्देश दिया गया है। बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने संदेश ऐप टेलीग्राम को अपने प्ले स्टोर पर मंगलवार सुबह बहाल कर दिया। सरकार का अस्थायी प्रतिबंध 22 जून को समाप्त होने के बाद उसने यह कदम उठाया है। गूगल द्वारा बहाली से पहले ही यह प्लेटफॉर्म कुछ मौजूदा उपयोगकर्ताओं के लिए चालू हो गया था। हालांकि, ऐप सुबह करीब 10 बजे तक एप्पल के ऐप स्टोर पर उपलब्ध नहीं था। इस संबंध में एप्पल को भेजे गए ईमेल का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला।सरकार ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) की पुनर्परीक्षा का पर्वा लीक होने से रोकने के उद्देश्य से गूगल और एप्पल को 22 जून तक टेलीग्राम ऐप को अपने ऐप स्टोर से हटाने के निर्देश दिए हैं। यह परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा देशभर के स्नातक चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है। एजेंसी ने तीन मई को हुई पिछली परीक्षा को प्रश्न पत्र लीक के आरोपों का बल रद्द कर दिया था। इसके अलावा, अलग निर्देश में टेलीग्राम से 30 जून तक भारत में पहले से भेजे गए संदेशों के संपादन की सुविधा बंद करने को कहा गया है ताकि प्रश्न पत्र लीक से जुड़े मामलों में साक्ष्यों के दुरुपयोग को रोक जा सके। प्रतिबंध लगाने से पहले तीन जून को सरकारी अधिकारियों ने टेलीग्राम के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी, जहां इन चिंताओं को उठाया गया था।नीट की पुनर्परीक्षा 21 जून को आयोजित की गई थी और अब तक किसी भी धोखाधड़ी की कोई खबर नहीं मिली है। ज़कूथ ने साथ ही आरोप लगाया कि रिलायंस समूह ने व्हाट्सऐप के साथ मिलकर भारत में ऐप पर प्रतिबंध के लिए शायद पैवैबी की है। मेटा प्लेटफॉर्मस की रिलायंस में आंशिक हिस्सेदारी है।



